



सुप्रभात

subhasaverenews@gmail.com
facebook.com/subhasaverenews
www.subhasavere.news
twitter.com/subhasaverenews

सुप्रभात

झुक गया है गुलमोहर बाम तक
खबर आएगी देखना शाम तक ।
खास - खास में ही 'खास' बंट गया
आम आया ही कहाँ है 'आम' तक ।
सांस में जिनकी खुशबू से हम होते थे
जहाँ पे आता भी नहीं अब नाम तक ।
बैठ दिल्ली में दस बीस मुंह चलाते हैं
मरने जाता है एक फोजी लाम तक ।
शेख साहब जरा उडेल दो तो मीना
तोबा हो जाए न अगले जाम तक ।
हम काकरोच हैं बहुत पुराने हैं
रहेंगे क्रायम और इख्तियाम तक ।।

- विवेक चतुर्वेदी

प्रसंगवश

अब नागा-कुकी टकराव से मणिपुर में नई चिंता बढ़ी

अनन्या भारद्वाज और मौसमी दास गुप्ता

मणिपुर में गैर-आदिवासी मैतेई और आदिवासी ईसाई कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष भड़कने के तीन साल से थोड़ा अधिक समय बाद, राज्य सरकार और सुरक्षा तंत्र हाल की उन घटनाओं को लेकर बढ़ती चिंता में हैं जिनमें नागा, जो एक और आदिवासी समुदाय है, कुकी समुदाय के साथ टकराव में आए हैं।
नागा, जो मणिपुर की लगभग 24 प्रतिशत आबादी हैं और मुख्य रूप से पहाड़ी जिलों उखरल, सेनापति, चंदेल, तैंगनापाल और तामेंगलों में बसे हैं, वे मई 2023 से शुरू हुए मैतेई-कुकी संघर्ष से ज्यादातर दूर रहे थे।
हालांकि, फरवरी से नागा और कुकी के बीच कम से कम 17 हिंसक घटनाएँ हुई हैं, जिनमें दोनों तरफ लगभग एक दर्जन लोगों की मौत हुई है। दोनों समुदायों के घरों में तोड़फोड़ और आगजनी की गई है। पिछले हफ्ते तनाव फिर बढ़ गया जब दोनों तरफ से 44 नागा और कुकी नागरिकों को बंधक बनाया गया। हालांकि ज्यादातर अपहृत लोगों को छोड़ दिया गया है, लेकिन 14 कुकी अभी भी नागाओं के पास बंधक हैं, जबकि छह नागा पुरुष कथित तौर पर कुकी के पास बंधक हैं।
सुरक्षा तंत्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने द्दिष्टि को बताया कि हाल की घटनाओं में बढ़ती चिंता के साथ उनकी प्रारंभिक चिंता अब 'मैतेई-कुकी से हटकर नागा-कुकी' हो गई है।
'ध्यान इस पर है कि नागा और कुकी के बीच किसी भी ऐसी घटना को फैलने से रोका जाए, रैपिड एक्शन फोर्स की दो कंपनियां पहले ही घाटी से हटकर कांगपोकपी और सेनापति भेजी जा चुकी हैं, जहाँ कुकी और नागा साथ रहते हैं,' उस अधिकारी ने कहा, जिन्होंने नाम नहीं छपाने की शर्त रखी।
अधिकारी ने बताया कि शुरुआत में जब उखरल के लितान गांव में पहली घटना हुई, तो टांगखुल नागा और कुकी के बीच टकराव हुआ था। धीरे-धीरे, लेकिन अन्य नागा जनजातियाँ जैसे रोंगमेई, लियंगमेई और जैलियांग भी इसमें शामिल हो गईं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, दोनों समुदायों के बीच शुरूआती घटनाओं में से एक उखरल में हुई थी, जब एक नागा शिक्षक ने इलाके से गुजरते हुए कुछ कुकी युवकों को बैटकर शराब पीते देखा। उन्होंने कथित तौर पर उन्हें रोकने को कहा, जिससे विवाद हो गया।
इसके बाद दोनों पक्षों ने आरोप और प्रत्यारोप लगाए। नागाओं ने कुकी पर वसूली के आरोप लगाए, आरोप लगाया कि उनमें से कुछ उग्रवादी संगठनों से जुड़े हैं, और कथित तौर पर उन्हें उखरल छोड़ने को कहा। जवाब में कुकी ने भी नागाओं पर ऐसे ही आरोप लगाए, जिससे तनाव और बढ़ गया।
यह टकराव जल्द ही झगड़ों और फिर हिंसा में बदल गया, जिससे फरवरी से लगातार नागरिकों के अपहरण, बंधक संकट और गाँवों में आगजनी का सिलसिला शुरू हो गया।
अधिकारियों की चिंता बेवजह नहीं है। नागा और कुकी के बीच लंबे समय से संघर्ष का इतिहास रहा है। आखिरी बड़ा टकराव 1992 में हुआ था, जो पाँच साल से अधिक चला था। इसमें लगभग 1,000 लोग मारे गए थे और हजारों विस्थापित

हुए थे। 2016 में यूनाइटेड नागा काउंसिल ने राष्ट्रीय राजमार्ग 2 और 37 को 136 दिनों तक बंद रखा था ताकि उस समय आक्रमण इबोबी सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार द्वारा मणिपुर में सात नए जिलों—जिरीबाम, कांगपोकपी, काकचिंग, तैंगनापाल, नोनो, फेरजावल और कांगपोकपी—के गठन का विरोध किया जा सके। नागाओं का कहना था कि ये जिले उनके पूर्वजों की जमीन पर अतिक्रमण करके बनाए गए हैं।
नागा की भागीदारी के पीछे क्या है— मणिपुर सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों ने द्दिष्टि को बताया कि नागाओं के कुकी संघर्ष में शामिल होने के पीछे कोई एक कारण नहीं है। उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक आकांक्षाओं, जमीन और संसाधनों को लेकर असुरक्षा, और नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड (NSCN-IM) के इसका-मुडवा गुट के भीतर विभाजन, और अलग हुए गुटों जैसे ईस्टर्न फ्लैक द्वारा प्रभाव बढ़ाने की कोशिशों का मिश्रण है।
'यह बहुत जटिल है। नागाओं के इस संघर्ष में खिंचने के पीछे कई कारण हैं। राजनीतिक आकांक्षाओं के अलावा, एक कारण अपनी जमीन को लेकर असुरक्षा भी हो सकती है,' एक अधिकारी ने कहा।
अधिकारी ने कहा कि नागा अपनी जमीन को लेकर बहुत संवेदनशील हैं। 'हालांकि दोनों समुदाय वर्षों से साथ रहते आए हैं, लेकिन कुकी द्वारा अलग प्रशासन की मांग के साथ नागा को यह डर हो सकता है कि इससे कुकी उनकी जमीन पर दावा कर सकते हैं,' एक अधिकारी ने कहा।
एक और मुद्दा दोनों समुदायों के बीच संसाधनों का बंटवारा है। घाटी क्षेत्रों से कुकी के विस्थापन के बाद कई लोग पहाड़ियों में चले गए, जिनमें नागा क्षेत्रों में बसे इलाके भी शामिल हैं, जिससे स्थानीय संसाधनों पर दबाव बढ़ गया। अब जब कुकी अधिक मुखर हो रहे हैं, तो नागाओं के साथ तनाव बढ़ गया है, जिससे छोटे विवाद भी अब टकराव का रूप लेने लगे हैं।
'पच्चीस साल पहले, कुकी नागाओं को टैक्स देते थे क्योंकि वे नागा गाँवों में रहते थे। उन्होंने यह लिखित रूप में भी दिया था कि वे नागा क्षेत्रों में रह रहे हैं, इसके लिए आभारी हैं और संसाधनों के उपयोग के लिए अपना हिस्सा देते। अब वे ऐसा नहीं कर रहे हैं, जो एक विवाद का कारण बन गया है,' एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया।
अधिकारी ने कहा कि कुकी-मजिनके पास उग्रवादी समूह और हथियार भी हैं—अब अपने प्रभाव को अधिक मजबूती से दिखा रहे हैं, और नागा जिन संसाधनों को अपना मानते हैं वहाँ उनकी मौजूदगी असंतोष का कारण बन गई है।
अधिकारी ने आगे बताया कि यह संघर्ष आर्थिक कारणों से भी जुड़ा है। वांगली-दीमापुर सड़क अब एक महत्वपूर्ण मार्ग बन गई है; पहले मोरहे का यहाँ महत्व था। इस रास्ते से अधिकतर व्यापार और कुछ हद तक तस्करी भी होती है। इस मार्ग पर नियंत्रण भी दोनों समुदायों के बीच एक बड़ा विवाद बन गया है, एक खुफिया स्रोत ने बताया।
सरकार का एक हिस्सा यह भी मानता है कि कुकी-नागा

झड़पें कुछ हिंसाकारों द्वारा युनायन खेमचंद सिंह की तीन महीने पुरानी सरकार को अस्थिर करने की कोशिश हो सकती हैं। 'राष्ट्रपति शासन के दौरान हिंसा कम हो गई थी, लेकिन नई सरकार बनने के बाद अचानक फिर से हिंसा बढ़ गई है,' एक वरिष्ठ राज्य सरकार अधिकारी ने कहा।
सिंह को राज्य में एक साल की राजनीतिक अनिश्चितता के बाद मुख्यमंत्री बनाया गया था, जब पूर्व मुख्यमंत्री एन. बोरिन सिंह ने इस्तीफा दिया और राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया गया था।
सुरक्षा एजेंसियाँ NSCN-IM और ईस्टर्न फ्लैक के बीच दरार को भी इस संघर्ष के लिए जिम्मेदार मानती हैं—जो अप्रैल 2024 में NSCN-IM से अलग हुआ था—और दोनों गुट कथित तौर पर नागा बहुल क्षेत्रों में अपना दबदबा बनाने की कोशिश कर रहे हैं।
'हमें हाल की झड़पों में अलग-अलग एनएससीएन गुटों के कैडों की भागीदारी की जानकारी मिली है। 28 मार्च को कामजोंग जिले के होंगबेई गांव में NSCN-IM और ईस्टर्न फ्लैक के बीच घात लगाकर हमला हुआ था, जिसमें बाद वाले के चार कैड मारे गए,' पहले बताया गए सुरक्षा अधिकारी ने कहा।
अधिकारी ने आगे कहा कि तीन दिन बाद उखरल में भीड़ ने NSCN-IM के शीर्ष नेताओं के घरों में तोड़फोड़ की, जिनमें वी.एस. अतैम भी शामिल हैं, जो NSCN-IM के महासचिव थुंगलेंग मुडवा के उपाई हैं। 'एनएससीएन के भीतर की दरार अब खुलकर सामने आ रही है, और अलग-अलग गुट अपने प्रभाव क्षेत्र स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं।'
NSCN-IM पिछले दो दशकों से भारत सरकार के साथ शांति वार्ता में शामिल है। 2015 में फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर होने के बावजूद वार्ता में बहुत प्रगति नहीं हुई है।
द्दिष्टि ने मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह और उपमुख्यमंत्री लोसी दीखो, जो नागा समुदाय से हैं, से कई बार कॉल और व्हाट्सएप संदेश के जरिए प्रतिक्रिया लेने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने जवाब नहीं दिया। जवाब मिलने पर इस रिपोर्ट को अपडेट किया जाएगा।
आरोप और प्रत्यारोप— ईस्टर्न फ्लैक, नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड और कुकी समुदायों से जुड़ी मौजूदा झड़पें अब तक दोनों समुदायों के बीच मौजूद रहे समीकरणों के टूटने का संकेत देती हैं।
1992 के संघर्ष के बाद, जो पांच साल तक चला था, दोनों समुदायों ने सुलह कर ली थी और पहाड़ी इलाकों में साथ रहने लगे थे। 'सेनापति और उखरल जैसे नागा बहुल जिलों में भी कुकी गाँव हैं। कुकी बहुल जिलों में भी नागा, कुकी गाँवों के पास रहते हैं। लेकिन अब परिस्थितियाँ कुछ हद तक बदल गई हैं, जहाँ ईस्टर्न फ्लैक, NSCN और मैतेई उग्रवादी कमजोर कुकी समुदाय पर हमले कर रहे हैं और नागाओं को इसमें खिंचने की कोशिश कर रहे हैं,' कुकी नेशनल ऑर्गेनाइजेशन (KNO) के प्रवक्ता सेलिनम हाओकिप ने द्दिष्टि को बताया।
केएनओ और यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट (UPF) ने केंद्र

और मणिपुर सरकार के साथ एक त्रिपक्षीय समझौता किया है, जिसे सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस (SOO) कहा जाता है, जिसका उद्देश्य शत्रुता को समाप्त करना, राजनीतिक बातचीत करना और संवैधानिक ढांचे के भीतर स्वाशासन की मांगों का समाधान करना है।
हाओकिप के अनुसार, कुछ नागाओं को मैतेई लोगों द्वारा भी भड़काया जा रहा है। 'कुकी और नागा कई पीढ़ियों से साथ रहे आए हैं। उखरल जिले के लितान गाँव में 7 फरवरी की घटना दो नरेशों में धुत लोगों—एक टांगखुल और एक कुकी—के बीच हुई एक अलग झड़प थी। दोनों समुदाय इस मुद्दे को सुलझाना चाहते थे, लेकिन अगले दिन हथियारबंद टांगखुल लोगों ने हमारे गाँव को जला दिया। इसके बाद थिंति बिगडती चली गई,' उन्होंने कहा और जोड़ कि अधिकतर टांगखुल और NSCN-IM संघर्ष नहीं चाहते।
हाओकिप ने आगे कहा, 'पूर्व-औपनिवेशिक समय में मैतेई और कुकी के बीच अच्छे संबंध थे। ब्रिटिशों ने प्रशासनिक सुविधा के लिए उन्हें एक साथ जोड़ दिया था। हाल के समय में कुकी समुदाय को बार-बार उकसावे का सामना करना पड़ा है। हम अपने पड़ोसियों के साथ शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व चाहते हैं। लेकिन हमें अपने लोगों की रक्षा करनी है और अपने गाँवों को जलने से बचना है; हमें आत्मरक्षा करनी होगी।'
दूसरी ओर, नागा समुदाय कुकी पर यह आरोप लगाता है कि उन्होंने 13 मई को कांगपोकपी जिले के लेइलोन गाँव से अपहृत अपने छह लोगों को अभी तक नहीं छोड़ा है।
यूनाइटेड नागा काउंसिल (NC) की वर्किंग कमेटी के सचिव ए.सी. थोत्सो ने द्दिष्टि को बताया कि कुकी समुदाय ने उस आतिथ्य को भूल दिया है जो नागाओं ने मैतेई-कुकी संघर्ष के चरम पर उन्हें दिया था। 'उन्होंने हमारी मेहमाननवाजी का जवाब गोलियों से दिया—खुद को पीड़ित दिखाते हुए आक्रामक बनकर,' उन्होंने कहा।
थोत्सो ने आगे कहा कि कुकी अब नागाओं और उनके इतिहास पर हमला कर रहे हैं, क्योंकि वे नागा क्षेत्र में अलग प्रशासन की मांग कर रहे हैं। 'उन्होंने हमारी उदारता को हल्के में लिया है। कुकी जो कर रहे हैं वह हमारे इलाके में संगठित और समन्वित बाहरी आक्रमण का गंभीर रूप है।'
थोत्सो ने आगे कहा कि उनके पास इस बात के सबूत हैं कि कुकी सशस्त्र समूह, जिन्होंने केंद्र और मणिपुर सरकार के साथ सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस (SOO) समझौता किया है, हाल की नागाओं पर हमलों में शामिल हैं।
'इससे गंभीर राजनीतिक सवाल उठते हैं, जो यह संकेत देते हैं कि एक प्रॉक्सी व्यवस्था उभर रही है जो हमारी जमीन, पहिना और नागा समुदाय के सामूहिक अधिकारों के लिए खतरा है। यह इंडो-नागा संघर्ष विराम शांति प्रक्रिया और एनएससीएन तथा भारत सरकार के बीच हुए फ्रेमवर्क समझौते को कमजोर करने की एक सुनियोजित नीति हो सकती है, और इसे गंभीर चिंता के साथ देखा जाना चाहिए,' उन्होंने कहा।
(दि द्दिष्टि हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

गृहमंत्री अमित शाह बोले-

बॉर्डर पर लगे एंट्री ड्रोन सिस्टम

● राजस्थान में सांचू पोस्ट से पाकिस्तानियों को पीठ दिखाकर भागना पड़ा था



बीकानेर (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बीकानेर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की सांचू पोस्ट का दौरा किया। इस दौरान प्रहरी सम्मेलन में कहा- मैं ऐतिहासिक चौकी सांचू पर आया हूँ। मेरे मन में सांचू चौकी को देखने की



इच्छा गृहमंत्री बनने से पहले थी थी। 1964 के भारत-पाक युद्ध में सांचू की आबादी 500 से ज्यादा थी। आरएसी की चौकी 500 मीटर पीछे रणजीतपुरा गांव में थी। सूचना मिली थी कि सांचू पर कब्जा करने के लिए पाकिस्तान ने शुरुआत की थी। तब 3 आरएसी और 13 ग्रेनेडियर के जवानों ने हमला कर सांचू को भारत की सीमा में रखने का काम किया था। जवानों ने यह जिम्मेदारी निभाई और पाकिस्तानियों को पीठ दिखाकर भागना पड़ा था। उन्होंने कहा- सरकार अगले 6 महीने में ड्रोन रोधी संयंत्र लगाने की शुरुआत कर रही है। लेकिन ड्रोन यहाँ की जमीन पर उतरता है, इसे कौन रिसीव करता है, कौन उसके मटेरियल का उपयोग करता है, इस पर हमारी पैनीनजर होनी चाहिए। इसके लिए सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। शाह मंगलवार सुबह करीब 11 बजे हेलिकॉप्टर से सांचू पहुंचे थे। उनके साथ राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी थे।

मुसपैठ पर सरकार ने बनाई हाई लेवल कमेटी, जस्टिस नावलेकर होंगे अध्यक्ष
अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय परिवर्तन के देश के वर्तमान और भविष्य के लिए बहुत बड़ी चुनौती बताया है। मुसपैठ को लेकर सरकार ने एक हाई लेवल कमेटी का गठन किया है। अमित शाह ने कहा कि मुसपैठ और अन्य कारणों से अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय परिवर्तन किसी भी राष्ट्र के वर्तमान व भविष्य के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में जनसहयोग से पूर्ण हो रहे हैं लक्ष्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में विधिवत पूजन-अर्चन कर शिप्रा में अर्पित की चुनरी

जल संरक्षण में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को उज्जैन में शिप्रा तट पर रामघाट पर शिप्रा तीर्थ परिक्रमा में सहभागिता की। इस अवसर पर मुंबई से आए भारतीय नौसेना के बैड ने रामघाट पर मनमोहनक प्रस्तुति दी।
मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि उज्जैन सहित प्रदेशभर में गंगा दशहरा हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। मुंबई से आए भारतीय नौसेना के बैड की प्रस्तुति ने सभी को आनंदित किया है। बैड के सदस्यों ने संगीत मय कार्यक्रम से रामघाट पहुंचे नागरिकों को मनमोहनक धुनें सुनवाकर इस शाम को यादगार बना दिया है। मोक्ष दायिनी मां शिप्रा की दो दिवसीय



तीर्थ परिक्रमा मंगलवार को संपन्न हुई, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजन-अर्चन कर शिप्रा में चुनरी अर्पित की।

जल संचयन और जल संरक्षण में आगे है मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेशभर में जल गंगा संरक्षण अभियान के अंतर्गत उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। सभी प्रमुख तालाब, कुएँ, बावड़ी, पोखर, नदियों के उद्गम स्थलों पर जनसहयोग के जरिए जल संचयन के लिए कार्य जारी है। अब तक लगभग 2 लाख से अधिक काम पूरे किए गए हैं। देश में जल संरक्षण की दिशा में कार्य करते हुए मध्यप्रदेश इस मामले में पहले स्थान पर है। इस अवसर पर राज्यभर में शिप्रा तीर्थ परिक्रमा, विधायक श्री अनिल जैन कालुहेड़ा, विधायक श्री जितेंद्र पंड्या, उज्जैन के महापौर श्री मुकेश टटवाल, उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री नवीन सोलंकी, नगर निगम की सभापति श्रीमती कलावती यादव, जिलाध्यक्ष श्री जगदीश अग्रवाल, ग्रामीण जिलाध्यक्ष श्री राजेश धाकड़, अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य श्री रामलाल मालवीय अनेक निगम-मंडलों के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

16 घंटे शिव तांडव से गुंजा बाबा का दरबार

● महाकाल को अखंड नृत्य से प्रसन्न करने में जुटे नन्हे कलाकार



उज्जैन (एजेंसी)। विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में हर उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। गंगा दशहरा के पावन पर्व पर भी हर साल की तरह इस साल भी लगातार 16 घंटे नृत्य आराधना चल रही है। 16 घंटे बिना रुके महाकाल के प्रांगण में करीब 60 नन्हे कलाकार अपनी प्रस्तुति दे रहे हैं। बाबा महाकाल को प्रसन्न करने के लिए गंगा दशहरा पर्व पर भगवान की आराधना नृत्य के माध्यम से की जा रही है। मंगलवार सुबह भस्म आरती के बाद शुरू हुई यह अखंड नृत्यजलित देर रात शयन आरती तक लगातार 16 घंटे तक चलेगी। इस आयोजन में करीब 60 बच्चे और कलाकार भाग ले रहे हैं, जो बाबा महाकाल को नृत्य के माध्यम से प्रसन्न करने का प्रयास कर रहे हैं।
रसराज नृत्य संस्थान बाबा महाकाल को प्रसन्न करने के लिए पिछले 38 साल से यहाँ नृत्य करा रहा है। यह रसराज नृत्य संस्थान द्वारा आयोजित इस अखंड नृत्य साधना की 38वीं वर्षगांठ है।

यूपी में आधी-तूफान से 6 की मौत, बांदा में लगातार 8वें दिन तापमान 47 डिग्री पार मानसून की मिजोरम में एंट्री, लेकिन अभी केरल से दूर

नई दिल्ली/ भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ (एजेंसी)। मानसून ने मिजोरम के रास्ते देश में एंट्री कर ली है। एक्स पर की गई एक पोस्ट के मुताबिक इस साल मिजोरम में मानसून सामान्य समय से 6 दिन पहले ही आ गया है। हालांकि मौसम विभाग ने अभी तक मिजोरम में मानसून की एंट्री की पुष्टि नहीं की है। दरअसल, मिजोरम में दक्षिण-पश्चिम मानसून की बंगाल की खाड़ी वाली ब्रांच से बारिश होती है। इसका असर उत्तर-पूर्व, पूर्वी और बाद में उत्तर भारत तक पड़ता है। मौसम विभाग के मुताबिक मानसून को 26 मई तक केरल पहुंचना था, लेकिन



है। यूपी के बांदा और विदर्भ का ब्रह्मपुरी में सबसे ज्यादा गर्म रहे। यहां लगातार 8वें दिन 47 डिग्री से ज्यादा तापमान दर्ज किया गया।

पिछले तीन दिन से केरल से 30-35 किमी दूर अटका है। केरल के तटीय इलाके, तमिलनाडु और कर्नाटक में बारिश हो रही है।
इधर, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली-हिमाचल, यूपी, ओडिशा और तेलंगाना, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र का पम्परी से लगे हिस्सा और छत्तीसगढ़ में गर्मी का सबसे खतरनाक दौर चल रहा



भारतीय रेलवे ने दी पहली हाइड्रोजन ट्रेन के ट्रायल को मंजूरी

● दिल्ली डिवीजन के जीट-सोनीपत खंड पर होगा ट्रायल

भारत के लिए क्यों अहम?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के ट्रायल को लेकर मंजूरी दे दी है। इसको लेकर रेलवे बोर्ड ने 22 मई, 2026 को आरडीएसओ और उत्तरी रेलवे को लिखे पत्र में 10 डिब्बों वाली हाइड्रोजन ट्रेन शुरू करने की स्वीकृति दी है।



रेलवे बोर्ड ने यह भी बताया कि यह ट्रेन दिल्ली डिवीजन के जीट-सोनीपत खंड पर अधिकतम 75 किमी प्रति घंटे की गति से चलेगी। इसे रेलवे में तकनीकी कार्यालय के लिहाज से एक बड़ी सफलता के तौर पर देखा जा रहा है। रेलवे बोर्ड ने लिखा पत्र-भारतीय रेलवे ने अपने पत्र में लिखा, रेलवे सुरक्षा के मुख्य आयुक्त ने

16.03.2026 को भेजे गए आवेदन के संबंध में रेल मंत्रालय की स्वीकृति के संबंध में रेलवे बोर्ड उत्तरी रेलवे के समर्पित खंड (जिंद-सोनीपत) पर 75 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति तक चलने वाले 10 डिब्बों की हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित डीपीआरएस 1200 किलोवाट डीएमयू कोचों को शुरू करने की अनुमति दी गई है।

जानकारी के मुताबिक ट्रेन का परीक्षण पूरा हो गया है। यह परीक्षण मूल्यांकन प्रक्रिया के एक भाग के रूप में अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा आयोजित किया गया था। इसके व्यावसायिक सेवा में शामिल होने के साथ ही भारत, जर्मनी, स्वीडन, जापान और चीन सहित उन चुनिंदा वैश्विक देशों की श्रेणी में शामिल हो जाएगा जो हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेनों का संचालन करते हैं।

राम दरबार की प्राण-प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ

● सुबह में मंगला आरती हुई, 56 भोग लगाया, माँ सरयू की महाआरती



अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में राम परिवार यानी राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ मंगलवार को मनाई गई। पूरे दिन सुबह से लेकर रात तक अलग-अलग आयोजन होंगे। इस दौरान राम दरबार का विशेष श्रृंगार होगा। भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान जी का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अभिषेक किया जाएगा। भगवान को 56 भोग लगाया जाएगा। मां सरयू की 5051 बत्ती की महाआरती उतारी। सुबह 4 बजे मंगला आरती से हुई कार्यक्रमों की शुरुआत-सुबह 4 बजे भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान जी का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अभिषेक किया गया। इस दौरान कई संत और महंत परिसर में मौजूद रहे।

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंबल वडियाल अभयारण्य में लगातार बढ़ रहे अवैध रेत खनन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सख्त रुख अपनाया। अदालत ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सरकारों को तत्काल प्रभाव से प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि अवैध खनन रोकने के लिए राज्यों को निगरानी व्यवस्था मजबूत करनी होगी और खाली पड़े वन रक्षक पदों पर जल्द भर्ती करनी होगी। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने इस मामले की सुनवाई की। अदालत ने मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में बिना नंबर और बिना रजिस्ट्रेशन वाले वाहनों से अवैध रेत ढुलाई की मीडिया रिपोर्ट का भी संज्ञान लिया। कोर्ट ने इस पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर रिपोर्ट सही है तो अधिकारियों ने अदालत में गलत हलफनामा दाखिल किया है।

यूपी, मप्र, राजस्थान को फटकार; फर्जी नंबर वाले वाहनों पर कार्रवाई के निर्देश

● अवैध खनन पर सुप्रीम कोर्ट सख्त



सीसीटीवी और निगरानी व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश- सुप्रीम कोर्ट ने तीनों राज्यों को प्रभावित इलाकों में सीसीटीवी कैमरे, कंट्रोल सेंटर और मॉनिटरिंग सिस्टम लगाने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि यह काम युद्ध स्तर पर किया जाए और छह महीने के भीतर सभी निगरानी व्यवस्था पूरी तरह चालू होनी चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि जिन वाहनों का इस्तेमाल अवैध खनन में हो रहा है, उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए। फर्जी नंबर प्लेट या बिना रजिस्ट्रेशन वाले वाहनों को जब्त कर कानूनी प्रक्रिया शुरू करने के आदेश दिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

‘ढाई करोड़ की कार वाले गमले चुरा ले गए’

● लखनऊ में सीएम योगी बोले- मैंने सीसीटीवी देखा

लखनऊ (एजेंसी)। ‘हम गमला लगाते हैं, तो कोई कार से आता है और गमला उठाकर ले जाता है। जितना कार का तेल लग रहा है, उतने में नया गमला ले सकते हो। ये चोरी का नया मॉडल है। अब हर जगह सीसीटीवी लगे हैं, हम उससे देखते रहते हैं। पता लगता है कि ढाई करोड़ की कार से 45 रुपए के गमले चुरा रहे हैं। 45 रुपए के गमले खरीदकर आप घर में लगा सकते थे। आपका सम्मान भी रहता और शहर भी अच्छा दिखता। एक बार तो मेरे मन में आया था कि गमला चोरी करने वालों की फोटो चौराहे पर लगावाऊं, क्योंकि जो पैसा हम खर्च कर रहे हैं, वह जनता का है।



मुंबई मीरा रोड में बकरीद से पहले बवाल

● बकरों की कुर्बानी को लेकर सोसायटी में मिडे दो गुट

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के मीरा रोड इलाके में ईद-उल अजहा से पहले उस समय तनाव फैल गया, जब एक हाउसिंग सोसायटी में कुर्बानी के लिए लाए गए बकरों को लेकर



विवाद शुरू हो गया। मामला पूनम वलस्टर सोसायटी का बताया जा रहा है, जहां कुछ स्थानीय निवासियों ने परिसर के अंदर बकरों को रखने का विरोध किया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दो पक्षों के बीच झड़प की स्थिति बन गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में लेने के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है, लेकिन एहतियात के तौर पर इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से बचने की अपील की है।

हाईकोर्ट ने सांसद शेख अब्दुल राशिद को अंतरिम जमानत दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को बारामूला सांसद शेख अब्दुल राशिद उर्फ इंजीनियर राशिद को अंतरिम जमानत दी। राशिद को यह राहत 25 जून से 30 जून तक पिता के निधन के बाद होने वाली रस्मों में शामिल होने के लिए दी गई है। 18 मई को पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए दी गई अंतरिम जमानत 2 जून को समाप्त होने पर राशिद को आत्मसमर्पण करना होगा। इसके बाद वे 25 जून से 30 जून तक दोबारा रिहा हो सकेंगे।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने ड्रग तस्करी की 1.25 करोड़ की संपत्ति जब्त की

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मंगलवार को कटुआ जिले में एक ड्रग तस्करी की करीब 1.25 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति जब्त की। जब्त की गई संपत्ति में दुकानें और ढाबा शामिल हैं। यह संपत्ति सुदेश मेहता की बताई जा रही है। यह कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट के तहत की गई। पुलिस के मुताबिक, जांच के दौरान पता चला कि यह संपत्ति नशीले पदार्थों की तस्करी से कमाए गए पैसों से खरीदी गई थी। पुलिस टीम ने राजस्व, लोक निर्माण विभाग और सड़क एवं भवन विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में संपत्ति को औपचारिक रूप से जब्त किया।

140 से अधिक आवेदनों पर हुई सुनवाई, राजस्व मामलों के त्वरित निराकरण के लिए निर्देश

कलेक्टर की जनसुनवाई में उमड़ा जनसैलाब

बैतुल। प्रति मंगलवार आयोजित होने वाली जनसुनवाई इस बार कुछ अलग ही नजर आई। डॉ. सौरभ संजय सोनवणे के स्वयं मुलाताई में जनसुनवाई में शामिल होने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं लेकर जनपद कार्यालय पहुंचे। जनपद पंचायत मुलाताई में आयोजित इस जनसुनवाई कार्यक्रम में 140 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें अधिकांश मामले राजस्व विभाग से संबंधित बताए गए। कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने एक-एक आवेदक की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान कई मामलों में मौके पर ही अधिकारियों को कार्रवाई के आदेश जारी किए गए।



अवैध कब्जे के मामले में एक सप्ताह में कार्रवाई के निर्देश- मुलाताई निवासी कन्हैयालाल ने अवैध कब्जा हटाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने एसडीएम एवं पुलिस विभाग को संयुक्त रूप से मौके पर जांच करने के निर्देश दिए। साथ ही कब्जा सही पाए जाने पर एक सप्ताह के भीतर

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। वहीं ग्राम निरामवाड़ा निवासी गुलाबराव धोटे ने कृषि भूमि के रिकॉर्ड में सुधार की मांग को लेकर आवेदन सौंपा। इस पर कलेक्टर ने तहसीलदार मुलाताई को मामले का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। फिर उठी तासी जलमार्ग एवं आरसीसी नाला निर्माण की

मांग- जनसुनवाई में एक बार फिर तासी क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था सुधारने की मांग प्रमुखता से उठी। तासी वार्ड की पार्षद निर्मला उबनारे ने जिला कलेक्टर को आवेदन सौंपकर एसडीएमएफ योजना अंतर्गत वार्ड क्रमांक 1 में रेलवे स्टेशन से दुर्गा मठ तक आरसीसी नाले के निर्माण की मांग की। पार्षद ने बताया कि क्षेत्र में भवनों के पानी की समुचित निकासी नहीं होने से सड़कों और घरों में पानी भरने की समस्या लगातार बनी रहती है, जिससे आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित नाला निर्माण कार्य की डीपीआर पूर्व में तैयार की जा चुकी है तथा इस पर लगभग 66.66 लाख रुपये की लागत आने का अनुमान है।

म.प्र. पन्ना में खुदाई के दौरान कुआं धंसा, 5 की मौत

पन्ना (एजेंसी)। पन्ना जिले के एक खेत में कुएं की खुदाई के दौरान अचानक मिट्टी धंसा गई। इसमें दबकर 5 मजदूरों की मौत हो गई। इनके नाम आशीष यादव, राजकुमार यादव, रामपाल यादव, चुन्नू यादव और चुनवादे पाल बताए



गए हैं। हादसा मंगलवार सुबह करीब 10 बजे अजयगढ़ के बौरपुरवा गांव में हुआ। मृतकों के परिजन का आरोप है कि हादसे के 3 घंटे के बाद भी प्रशासनिक अधिकारी या कोई सरकारी टीम मौके पर नहीं पहुंची। ग्रामीणों ने जेसीबी मंगाकर खुद रेस्क्यू अभियान चलाया। इसी देरी की वजह से मजदूरों को बचाया नहीं जा सका। हादसे के शिकार आशीष, राजकुमार, रामपाल और चुन्नू यादव एक ही परिवार के सदस्य हैं।

दिवशा डेथ केस

सीडीआर-सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने पर आज सुनवाई

सीबीआई पहुँची, सास गिरिबाला के घर

● डीसीपी बोले-जिस बेल्ट का फंडा बनाया, उसकी फोरेंसिक जांच जारी

भोपाल (एजेंसी)। एक्ट्रेस दिवशा शर्मा मौत मामले में काल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने को लेकर भोपाल जिला कोर्ट में अलग-अलग आवेदन दायर किए गए हैं। इन पर भोपाल पुलिस की तरफ से कोई भी प्रतिवेदन कोर्ट में अब तक पेश नहीं किया गया है। इसका कारण सीबीआई द्वारा मामले की जांच अपने हथ में लेना माना जा रहा है। जल्द ही इस केस को सीबीआई कोर्ट में ट्रांसफर किए जाने की भी संभावना है। इससे पहले सोमवार रात सीबीआई ने गिरिबाला और समर्थ पर एफआईआर दर्ज की। इसमें देहज में पैसों की डिमांड होने की बात मानी गई है। जानकारी के अनुसार, दिवशा के



परिवार की ओर से वकील अंकुर पांडे ने भोपाल कोर्ट में सीडीआर सुरक्षित रखने के लिए आवेदन दिया है। वहीं, गिरिबाला की ओर से सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने को लेकर एप्लीकेशन दी है। दोनों आवेदनों पर आज सुनवाई तय है। सीबीआई ने एफआईआर को

दोबारा दर्ज कराया- सीबीआई की टीम सोमवार को भोपाल पहुंची। एजेंसी ने कटारा हिल्स थाने में पहले दर्ज एफआईआर को री-रजिस्टर कर दिवशा के पति समर्थ सिंह और सास, रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया।

जिस बेल्ट से फांसी लगाने की बात कही, वह एफएसएल के पास- उधर, दिवशा के जिस जिमनस्टिक बेल्ट से कथित तौर पर फांसी लगाने का दावा किया जा रहा है, वह बेल्ट दोनों बार पोस्टमॉर्टम करने वाली मेडिकल टीम को नहीं दिखाई जा सकी। इसे लेकर सवाल उठे तो डीसीपी विकास कुमार शहवाल ने कहा- उस बेल्ट को पुलिस ने जब्त कर लिया था। पहले पोस्टमॉर्टम के बाद बेल्ट डॉक्टर को परीक्षण के लिए सौंपा गया था। परीक्षण के बाद एफआईआर ने इसे सुरक्षित रख लिया था। बेल्ट को 7 दिन पहले सागर की फोरेंसिक लैब भेजा गया था। दिल्ली एम्स की मांग के बाद भोपाल पुलिस ने एफएसएल और साइबर सेल को इस बारे में पत्र लिखा है।

● राजस्थान : अवैध फैक्ट्रियों पर मंत्री किरोड़ी लाल मीणा की रेड

नकली मूंगफली बीज फैक्ट्री पर मारा छापा

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर के नजदीक चौमूं (रीको इंडस्ट्रियल एरिया) के सिल्वर पार्क से मंगलवार को एक ऐसी खबर सामने आई जिसने पूरे राजस्थान के कृषि महकमे और बीज माफियाओं के खेमे में हड़कंप मचा दिया। कृषि मंत्री डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा ने बिना किसी पूर्व सूचना या तामझाम के, एक 'फूड इंस्पेक्टर' की तरह औचक निरीक्षण करते हुए 'एग्रो जेनिक्स क्रॉप साइंस' एवं 'जीएम एग्रो इंडस्ट्रीज' नामक दो अनधिकृत फैक्ट्रियों के गोदामों पर छापा मार दिया। यह दोनों अवैध कंपनियां मिलकर सीकर की एक प्रतिष्ठित फर्म 'श्री बालाजी एग्रो सीकर' के नाम का फर्जी इस्तेमाल कर रही थीं और उसके नकली लेबल लगाकर घटिया, अमानक और निम्न गुणवत्ता वाले फंगस लगे मूंगफली बीजों की धड़ल्ले से वी-कैजिंग कर रही थीं।



गोदाम के भीतर का नजारा देख दंग रह गए मंत्री

जब किरोड़ी लाल मीणा कृषि विभाग के आला अधिकारियों और पुलिस जाबके के साथ चौमूं के इस रिहायशी व इंडस्ट्रियल गोदाम के भीतर दाखिल हुए, तो वहां का नजारा देखकर खुद उनकी आंखें भी फटी की फटी रह गईं। यह कोई छोटा-मोटा हेर-फेर नहीं था, बल्कि करोड़ों रुपए की लागत से चल रहा नकली बीज का एक बहुत बड़ा संगठित कारखाना था।

दिल्ली क्राइ बैठक में ऑस्ट्रेलिया ने होर्मुज का मुद्दा उठाया

समुद्री रास्तों की आजादी जरूरी : जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में क्राइ देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक खत्म हो गई है। इसमें ऑस्ट्रेलिया ने होर्मुज का मुद्दा उठाया। विदेश मंत्री पेनी वॉंग ने कहा, 'ईरान की तरफ से होर्मुज स्ट्रेट बंद किए जाने का असर अब तेल और ऊर्जा सप्लाई पर दिखने लगा है। क्राइ देशों का कहना है कि समुद्री रास्ते खुले रहना जरूरी है और वह से गुजरने वाले जहाजों पर किसी तरह का टोल या रोक नहीं लगनी चाहिए। इस बैठक में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री शामिल हुए।



अमेरिका की ओर से मार्को रुबियो, जापान से तोशिमित्सु मोतेगी और ऑस्ट्रेलिया की तरफ से पेनी वॉंग मौजूद रहे। विदेश मंत्री जयशंकर ने आतंकवाद के मुद्दे पर कहा कि

इसके खिलाफ जियो टॉलरेंस होना चाहिए। जिन देशों पर आतंकी हमले होते हैं, उन्हें अपनी सुरक्षा का अधिकार है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि बैठक में 3 बड़े फैसलों पर चर्चा की गई।

महिला वित्त एवं विकास निगम की 80वीं संचालक मंडल की बैठक में हुए बड़े फैसले

महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए बनेगा 'रिसोर्स पूल': मंत्री सुश्री भूरिया



भोपाल (नप्र)। महिला सशक्तिकरण की दिशा में निर्णायक कदम उठाते हुए महिला वित्त एवं विकास निगम को नई कार्य संस्कृति और परिणामोन्मुखी भूमिका में लाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया की अध्यक्षता में मंत्रालय में मध्यप्रदेश महिला वित्त एवं विकास निगम की 80वीं संचालक मंडल समिति की बैठक हुई। बैठक में जिसमें निगम की कार्यप्रणाली, लंबित प्रस्तावों, महिला रोजगार, कौशल विकास और संस्थागत सुधारों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

उद्देश्य केवल योजनाओं का संचालन नहीं, बल्कि महिलाओं का वास्तविक आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण है। उन्होंने निर्देश दिए कि महिला वित्त एवं विकास निगम को प्रदेश की महिला वर्क-फोर्स तैयार करने वाली प्रमुख संस्था के रूप में विकसित किया जाए। इसके लिए निगम एक व्यापक ऑनलाइन पोर्टल तैयार करेगा, जिसमें महिलाओं की कौशल दक्षता का परीक्षण कर उन्हें कुशल, अर्द्ध-कुशल और अकुशल श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाएगा।

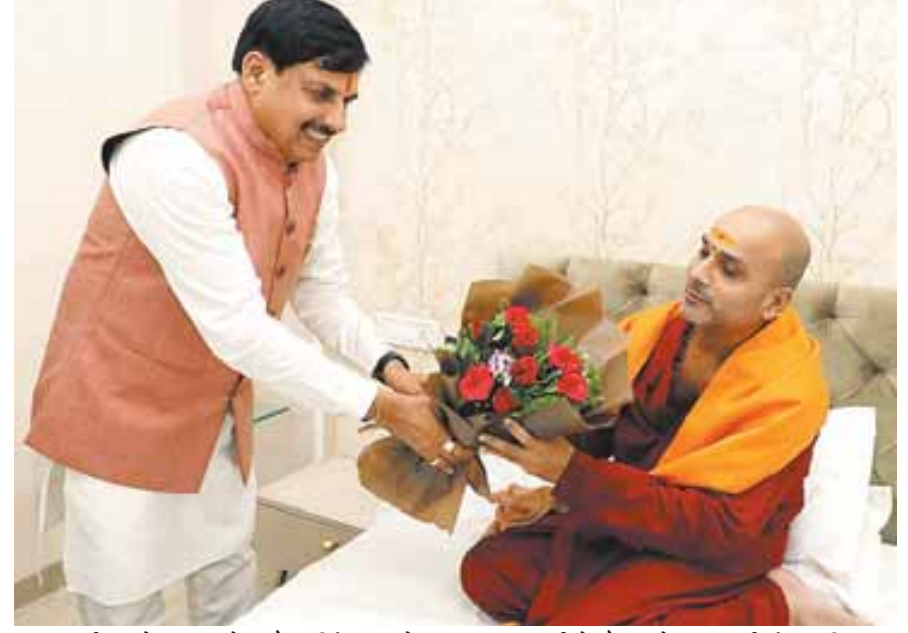
मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि अकुशल एवं अर्द्ध-कुशल महिलाओं को व्यवस्थित प्रशिक्षण देकर विभिन्न विभागों, उद्योगों और संस्थानों की मांग के अनुरूप रोजगार से जोड़ा जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि निगम महिला श्रमिकों, कारीगरों और तकनीकी रूप से प्रशिक्षित महिलाओं का रिसोर्स पूल विकसित करे, जिससे प्रदेश के विभागों और संस्थाओं को आवश्यकता अनुसार प्रशिक्षित महिला वर्क-फोर्स उपलब्ध कराई जा सके।

बैठक में यह भी तय किया गया कि महिला वित्त एवं विकास निगम अब केवल वित्तीय गतिविधियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कौशल विकास, बाजार संपर्क, तकनीकी प्रशिक्षण और महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने में भी सक्रिय भूमिका निभाएगा। मंत्री सुश्री भूरिया ने अन्य राज्यों में महिला वित्त विकास निगमों की कार्यपद्धति का अध्ययन कर बेहतर मॉडल अपनाने के निर्देश दिए।

बैठक में शी-मार्ट कॉन्सेप्ट पर कार्रवाई नहीं होने को लेकर भी गंभीर नाराजगी व्यक्त की गई। संचालक मंडल ने कहा कि अक्टूबर 2024 की बैठक में यह प्रस्ताव पारित हो चुका था और यदि समय रहते इस पर कार्यवाही होती तो मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य बन सकता था। उल्लेखनीय है कि अब इसी प्रकार की अवधारणा को भारत सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में शामिल किया है। बैठक में निगम के सुदृढ़ीकरण को लेकर पूर्व में प्रस्तावित चैनल पार्टनर व्यवस्था पर भी चर्चा हुई। मंत्री सुश्री भूरिया ने स्पष्ट किया कि निगम को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाते हुए केवल गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण संस्थानों और विशेषज्ञ एजेंसियों को ही जोड़ा जाए। कौशल विकास और फाइनेंशियल लिटरेसी कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए हार्ड-कॉलैटिटी संस्थानों के एम्पलमेंट पर जोर दिया गया।

मंत्री सुश्री भूरिया ने निगम के प्रशासनिक ढांचे में अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए भी सख्त निर्देश दिए। संचालक मंडल ने निर्णय लिया कि निगम के ऐसे कर्मचारी जो अन्यत्र अटैच हैं, उन्हें तत्काल नोटिस जारी किए जाएं तथा एक माह के भीतर मूल पदस्थान पर कार्यभार ग्रहण नहीं करने की स्थिति में उनकी सेवाएं समाप्त करने की कार्रवाई की जाए।

बैठक में महिला बाल विकास, सचिव श्रीमती जी.वी. रश्मि, आयुक्त महिला बाल विकास श्रीमती निधि निवेदिता सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन सर्किट हाउस में दादा गुरु महाराज जी से सौजन्य भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

पीएम मोदी के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी बधाई

प्रदेशवासियों की ओर से किया प्रधानमंत्री श्री मोदी का अभिनंदन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को राष्ट्र सेवा के सफल 12 वर्ष पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देशवासियों की आशा के प्रतीक प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में विगत 12 वर्षों में भारत ने विकास के साथ आत्मनिर्भरता, सुरक्षा, सांस्कृतिक गौरव, डिजिटल क्रांति और वैश्विक नेतृत्व के नए आयाम स्थापित किए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया से गांव-गरीब तक तकनीक की पहुंच सुनिश्चित हुई है। अंत्योदय की भावना के साथ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचा है। राष्ट्र प्रथम की भावना से GYAN मंत्र में गरीब, युवा,

अवदाता और नारी शक्ति के उत्थान तक, सीमाओं की सुरक्षा से नक्सल व आतंक मुक्त भारत के निर्णायक परिणाम तक, भारत ने अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। आज भारत वैश्विक मंचों पर निर्णायक नेतृत्व कर रहा है और दुनिया भारत को विश्वास, विकास व वैभव के प्रतीक के रूप में देख रही है।

विकसित भारत @ 2047 के संकल्प को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का दूरदर्शी नेतृत्व राष्ट्र को निरंतर नई ऊंचाइयों की ओर ले जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में प्रधानमंत्री श्री मोदी का इस अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों की ओर से अभिनंदन किया है।

शिवपुरी बम्हारी हत्याकांड

सरनेम बदला, पीले वस्त्र पहने और बन गया आचार्य, 1999 के मर्डर केस का आखिरी जिंदा वारंटी गिरफ्तार

शिवपुरी (नप्र)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के दिनारा क्षेत्र से पुलिस ने एक ऐसे शांति अपराधी को गिरफ्तार किया है, जो पिछले 27 सालों से पुलिस और कानून की आंखों में धूल झाँक रहा था। साल 1999 में हुए बहुचर्चित बम्हारी हत्याकांड का आखिरी जीवित स्थाई वारंटी देवपाल लोधी अखिरकार पुलिस के शिकंजे में आ गया है।



आधार कार्ड में सरनेम बदला और बन गया आचार्य

पुलिस जांच में सामने आया कि फरारी के दौरान देवपाल यूपी के बरेली और शाहजहाँपुर के अलग-अलग गुरुकुलों में छिपकर रहा। खुद को कानून की जद से बाहर रखने के लिए उसने अपने नाम के आगे से लोधी सरनेम हटा दिया और नए पहचान दस्तावेजों में अपना नाम देवपाल आचार्य दर्ज करवा लिया। पीले वस्त्र पहनकर धार्मिक वेशभूषा में रहने के कारण 27 साल तक किसी को भी उस पर शक नहीं हुआ। जब उसने अपराध किया था तब उसकी उम्र 35 साल थी, जो अब बढ़कर 62 साल हो चुकी है।

जिस जमीन पर हुआ था कत्ल, उसे ही बेच डाला

यह मामला तब और चौंकाते वाला बन गया जब पता चला कि बम्हारी गांव की जिस 20 बीघा विवादित जमीन को लेकर 1999 में अजीता जाटव की बेरहमी से हत्या की गई थी, उसे आरोपी ने एक साल पहले 22 लाख रुपये में बेच दिया था। इस रकम से वह अपने पैतृक गांव लिथौरा (झांसी) में खुद का एक गुरुकुल बनाने की तैयारी कर रहा था। स्कूल का निर्माण शुरू भी हो चुका था, लेकिन नींव पूरी होने से पहले ही दिनारा थाना प्रभारी रवींद्र सिंह कुशवाह की टीम ने मुखबिर की सटीक सूचना पर घेराबंदी कर उसे दबाकर लिया। इस पूरे हत्याकांड में कुल 13 आरोपी थे, जिनमें से 7 को पहले ही उम्रकैद हो चुकी है, जबकि एक अन्य फरार आरोपी अजब सिंह की मौत हो चुकी है।

मेयर बोलीं-भोपाल में जनता को आरओ लगाने की जरूरत नहीं

फिल्टर प्लांट का निरीक्षण करने पहुंचीं, भाजपा जिलाध्यक्ष ने पिया पानी

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश विधानसभा के सामने नगर निगम के फिल्टर प्लांट का मंगलवार को महापौर मालती राय ने निरीक्षण किया। उनके साथ एमआईसी मेंबर और बीजेपी जिलाध्यक्ष रविंद्र यती भी थे। इस दौरान बड़ा तालाब से आए पानी को फिल्टर प्लांट में कैसे साफ किया जाता है? इसकी पूरी प्रक्रिया भी देखी।

महापौर राय ने पानी की लेबोरी में टेस्टिंग भी कराई। फिर इसे क्लोरिनेट भी दी। उन्होंने कहा कि गर्मी का मौसम है। पानी की खपत बढ़ गई है। कई इलाकों से शिकायतें मिल रही थी कि कम प्रेशर से पानी की सप्लाई हो रही है। इसलिए एमआईसी मेंबर यती, आरके सिंह बघेल, जोन अध्यक्ष बृजुला सचान और अफसरों के साथ निरीक्षण किया है।

यहां पर बड़ा तालाब से रॉ वाटर आता है, जिसे शुद्ध करके कई इलाकों में सप्लाई करते हैं। फिर भी शिकायत थी कि बड़ा तालाब से आधी आबादी को पानी पिलाता है, जो गंदा होता है। इसलिए आज पूरा सिस्टम देखा। इसके बाद कह सकती हूँ कि जिन इलाकों में बड़ा तालाब का पानी मिल रहा है, वहां रहने वाले लोगों को आरओ लगाने की जरूरत नहीं है। यहाँ से शुद्ध पानी दिया जा रहा है।



जिलाध्यक्ष, अधीक्षण यंत्री ने पी लिया पानी

निरीक्षण के दौरान महापौर समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने लेब में पानी की टेस्टिंग कराई। टेस्ट में पास हुए पानी को महापौर राय के सामने ही जिलाध्यक्ष यती, अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग ने पी लिया।

भोपाल में 4 स्रोतों से सप्लाई होता है पानी

बता दें कि भोपाल में चार स्रोतों से पानी सप्लाई होता है। इनमें आधे से ज्यादा इलाकों में कोलार डैम का पानी पहुंचता है। कोलार रोड स्थित कॉलोनिनों में केरवा डैम, बड़ा तालाब से लालघाटी, कोहेफिजा की तरफ पानी सप्लाई किया जाता है। इसके अलावा नर्मदा नदी का पानी भी कई इलाकों में पहुंचता है। यह होशंगाबाद रोड, इससे जुड़ी कॉलोनिनों में पहुंचता है।

देश का मोस्ट वांटेड टाइगर शिकारी गिरफ्तार

24 से ज्यादा बाघों का किया कत्ल, असम और मिजोरम के रास्ते बेचता था बाघों की खाल

अनूपपुर (नप्र)। मध्य प्रदेश की स्पेशल टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए देश के सबसे खूंखार और मोस्ट वांटेड बाघ शिकारियों में से एक को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों के मुताबिक, पकड़े गए आरोपी का नाम बट्टू उर्फ नमलाल है, जो कटनी जिले का रहने वाला है। वह पिछले एक साल से अधिक समय से फरार चल रहा था। मुखबिर की सटीक सूचना पर एसटीएफ की टीम ने शनिवार को अनूपपुर जिले में कोटमा रोड पर नेशनल हाईवे-43 के पास घेराबंदी कर उसे दबाकर लिया। आरोपी पर देश भर में 24 से ज्यादा बाघों के शिकार और अंतरराष्ट्रीय वन्यजीव तस्करी नेटवर्क से जुड़े होने का गंभीर आरोप है।



विशेष अदालत ने भेजा फॉरेस्ट कस्टडी में

इस हार्ड-प्रोफाइल मामले में मध्य प्रदेश पुलिस और वन विभाग की टीमों अब तक बट्टू समेत कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी हैं। इनमें वन्यजीवों के अंगों का कुख्यात तस्करी सोनू सिंह बावरिया भी शामिल है, जिससे पूछताछ में कई अहम सुरांग मिले थे। गिरफ्तारी के बाद बट्टू को वन विभाग की विशेष अदालत में पेश किया गया, जहाँ से कोर्ट ने उसे आगे की पूछताछ और नेटवर्क के अन्य सदस्यों का पता लगाने के लिए फॉरेस्ट कस्टडी में भेज दिया है।

बालाघाट से म्यांमार तक फैला था तस्करी का जाल

शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि बट्टू एक बेहद संगठित और अंतरराष्ट्रीय शिकार सिंडिकेट का हिस्सा था, जो कई राज्यों में सक्रिय है। जांचकर्ताओं को संदेह है कि वह मध्य प्रदेश के बालाघाट के जंगलों में हुए बाघों के अवैध शिकार और उनकी खाल व हड्डियों की तस्करी में सीधे तौर पर शामिल रहा है। यह सिंडिकेट भारत के जंगलों से बाघों के अवशेषों को तस्करी कर असम और मिजोरम के रास्ते म्यांमार के अवैध बाजारों तक पहुंचता था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वन्यजीवों के अंगों की भारी मांग के कारण इस नेटवर्क के तार कई बड़े तस्करी से जुड़े हुए हैं। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह सिर्फ एक गिरफ्तारी नहीं है, बल्कि देश के सबसे बड़े संगठित वन्यजीव तस्करी नेटवर्क पर एक करारा प्रहार है। आरोपी से पूछताछ में कई अन्य सफेदपोश तस्करी और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के नामों का खुलासा होने की उम्मीद है।



पांच दिन तक मरे हुए बेटे को जिंदा करती रही मां

सिने पर बाइबिल रख करती थी प्रार्थना, दूध वाले ने खून देखा तो खुला राज

विदिशा (नप्र)। मध्य प्रदेश के विदिशा में एक मां को यकीन ही नहीं हो रहा है कि उसके बेटे की मौत हो गई है। बेटे की मौत के बाद मां पांच दिनों तक बिना किसी को बताए शव को घर में रखी रही। साथ ही उसे फिर से जिंदा करने के लिए सिने पर बाइबिल रखकर प्रार्थना करती थी। घर में किसी का आना जाना था नहीं तो पता नहीं चला। पांचवें दिन दूध वाले को कमरे से खून आता दिखा तो राज खुला है।

फैशन डिजाइनर है मृतक- दरअसल, मृतक का नाम शीनु वर्गिस है। उसकी उम्र 42 साल है। पहले मुंबई में रहता था। दो-तीन सालों से अपनी मां के साथ विदिशा में रह रहा था। वह फैशन डिजाइनर है। शीनु की मां का नाम मरियमा वर्गिस है। वह एक निजी स्कूल में शिक्षिका थीं। बेटे के साथ विदिशा में रह रही थीं। पांच दिन पहले शीनु की मौत हुई थी।

पांच दिनों तक घर में रखी रहीं शव- वहीं, मरियमा



सिने पर बाइबिल रखकर करती थी प्रार्थना- उन्होंने अपने प्रभु पर विश्वास था कि शीनु फिर से जीवित हो गया। मरियमा वर्गिस शीनु के सिने पर बाइबिल रखकर प्रार्थना करती थीं। वह पांच दिनों से लगातार ऐसा कर रही थीं। लेकिन शव खराब होने लगा था और इलाके में बदबू फैल रही थी।

वर्गिस पांच दिनों तक अपने बेटे के शव घर में रखी रहीं। अपने परिवार और अन्य दो बेटों को भी इसकी सूचना नहीं दी कि शीनु की मौत हो गई है। दो अन्य बेटे विदिशा में रहते हैं। साथ ही सामान्य दिनों की तरह वह घर में काम करते हुए दिख जाती थीं।

दूध वाले ने देखा खून- सोमवार की सुबह घर पर दूध वाला आया है। उसे बदबू महसूस हुई। साथ ही कमरे से खून निकलता दिखा। उसने मरियमा से पूछा तो उसने कुछ भी जवाब नहीं दी। इसके बाद मरियमा के पड़ोसियों को सूचना दी। पड़ोसियों ने इस बाद की जानकारी सिविल लाइन पुलिस को दी। **पुलिस को घर में नहीं घुसने दे रही थी-** मरियमा जब पुलिस पहुंची तो उन्हें घर में नहीं घुसने दे रही थी। इसके बाद पुलिस घर में पहुंची तो बेड पर शीनु वर्गिस का शव पड़ा हुआ है। साथ ही शव के खून बह रहा था। सिने पर बाइबिल रखा हुआ था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विदिशा मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। हालांकि यह साफ नहीं है कि शीनु की मौत कैसे हुई। सिविल लाइन थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारणों का खुलासा हो पाएगा। मामले की जांच की जा रही है।

महिला की स्थिति ठीक नहीं

बताया जा रहा है कि पिछले साल महिला के पति की मौत हो गई है। परिवार की आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं थी। शीनु भी कुछ समय से बीमार था। वहीं, मां मरियमा भी मानसिक रूप से अस्वस्थ थीं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कई दिनों से फेल रही थी बदबू

पड़ोसियों ने बताया कि दो-तीन दिनों से इलाके में दुर्गंध फैल रहा था। हम लोगों को लगा कि किसी जानवर की मौत हुई होगी। हमें कई अंदाजा नहीं था कि शीनु की मौत हो गई। उसकी मां ज्यादा लोगों से मतलब नहीं रखती थीं।

पुण्यतिथि पर विशेष

चित्रा माली

सहायक प्रोफेसर गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विधि क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता।



महान अभिनेता बलराज साहनी का यात्रा वृत्त 'पाकिस्तान का सफर' जो 1980 में हिंदी पॉकेट बुक्स द्वारा प्रकाशित हुआ था। उसमें वे लिखते हैं कि 'एक बार फिर मुझे अपने देश भारत का धर्म-निरपेक्ष विधान मूल्यवान लगने लगा है। उचित बात यही है कि मनुष्य धर्म की दौड़ अपने जमीर और अपने भगवान तक ही सीमित रखे। अगर ऐसा करने में वह सफल होता है तो संपूर्ण मनुष्यता के लिए उसके हृदय में प्रेम और सम्मान पैदा होगा। यही हमारे पूर्वजों की रीति रही है। धर्म का सामाजिक और राजनीतिक कार्यों में जितना काम प्रवेश हो, उतना ही उत्तम है।' भारत की जनता अपने अनुभव से धीरे-धीरे यह बात सीख रही है। यद्यपि सिरफियों की आज भी कमी नहीं है। एक समय था जब हुकूमत का स्थायित्व जनता को आपस में लड़ने पर निर्भर था। यह अंग्रेजी राज का समय था। इस काम के लिए चरित्रहीन और जमीरफरोश लोगों को आसानी से काम में लाया जा सकता था। अब स्वतंत्र सरकार के स्थायित्व के लिए एकमात्र शर्त देशव्यापी एकता है। इसके बिना न देश सलामत रह सकता है और न सरकार। कोई निपट मूर्ख भारतीय होगा जो इस बात को न समझता हो और राज्य की ओर से भी अब उन लोगों को शह नहीं मिलती जो धर्म के नाम पर लोगों को लड़ना चाहते हैं। परदेश में रहते हुए मेरे दिल में पंडित नेहरू के प्रति बड़े आदर और सत्कार की भावना उमड़ पड़ी। वही इन नीतियों के आविष्कारक और कर्णधार हैं। उन्होंने आदर्शों को व्यवहारिक और वैज्ञानिक दृष्टि से देखा है। अमल की यथार्थ राहें ढूँढ़ी हैं। अपनी जनता के वैचारिक स्तर को ध्यान में रखकर धीरे-धीरे आगे कदम रखा है। उतावलेपन की छलांगें नहीं लगाईं। इसी कारण से वे जनता के दिलों में बसे हुए हैं। विश्वासपूर्वक कहा जा सकता है कि ज्यों-ज्यों देश में जागृति आएगी, उनकी बनाई हुई नीतियां और भी शक्तिशाली होती जाएंगी। ये जमाने की मांग है। नेहरू के सेक्यूलर राष्ट्र के विजन ने उन्हें हमेशा सांप्रदायिक ताकतों के विरुद्ध खड़ा किया है। इसलिए ये ताकतें लगातार नेहरू के व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों और कृतित्व की आलोचना करती रहती हैं। जवाहरलाल नेहरू खुद अपनी आलोचना 'चाणक्य' (Chanakya) छद्म नाम से करते थे। उन्होंने इस नाम से नवंबर 1937 में कलकत्ता (अब कोलकाता) से प्रकाशित होने वाली प्रसिद्ध मासिक पत्रिका 'द मॉडर्न रिव्यू' (The Modern Review) में लेख लिखा था। इस लेख का शीर्षक 'राष्ट्रपति' (Rashtrapati) था। इस लेख में उन्होंने चेतवनी दी थी कि 'बड़े और अच्छे कामों को करने की संपूर्ण क्षमता के बावजूद लोकतंत्र में जवाहरलाल जैसे लोगों पर भरोसा नहीं किया जा सकता... तनिक सी उमेठ काभी होगी और जवाहरलाल एक तानाशाह बन सकते हैं और धीमी गति से चलने वाले लोकतंत्र के विधि विधानों को भुला सकते हैं। लोकतंत्र और समाजवाद की भाषा और नारा को भले ही अपनाए रहें, लेकिन हम सभी जानते हैं कि इसी प्रकार की भाषा पर फासीवाद पला और पुष्ट हुआ है... उनमें तानाशाह बनने के सभी संयोग उपस्थित हैं - महान

लोकतंत्र की आत्मा विचारों के मतभेद में समाहित है : नेहरू

भारत की जनता अपने अनुभव से धीरे-धीरे यह बात सीख रही है। यद्यपि सिरफियों की आज भी कमी नहीं है। एक समय था जब हुकूमत का स्थायित्व जनता को आपस में लड़ने पर निर्भर था। यह अंग्रेजी राज का समय था। इस काम के लिए चरित्रहीन और जमीरफरोश लोगों को आसानी से काम में लाया जा सकता था। अब स्वतंत्र सरकार के स्थायित्व के लिए एकमात्र शर्त देशव्यापी एकता है। इसके बिना न देश सलामत रह सकता है और न सरकार। कोई निपट मूर्ख भारतीय होगा जो इस बात को न समझता हो और राज्य की ओर से भी अब उन लोगों को शह नहीं मिलती जो धर्म के नाम पर लोगों को लड़ना चाहते हैं। परदेश में रहते हुए मेरे दिल में पंडित नेहरू के प्रति बड़े आदर और सत्कार की भावना उमड़ पड़ी। वही इन नीतियों के आविष्कारक और कर्णधार हैं। उन्होंने आदर्शों को व्यवहारिक और वैज्ञानिक दृष्टि से देखा है। अमल की यथार्थ राहें ढूँढ़ी हैं।

लोकप्रियता, एक सुनिश्चित उद्देश्य के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति, स्मृति, गर्व, संगठनशक्ति, योग्यता, कड़ाई और जनता के प्रति प्रेम। उनमें दूसरों के लिए एक असहिष्णुता है और अयोग्यों के प्रति तिरस्कार का एक भाव है... काम को पूरा करने की, जो कुछ नापसंद हो उसे मिटाकर नया निर्माण करने की उनकी प्रगल्भ इच्छा अधिक समय तक लोकतंत्र की धीमी गति से चलने वाली प्रक्रियाओं से मेल नहीं खाती... तानाशाही हमेशा आगे प्रस्तुत रहती है, और क्या यह संभव नहीं कि जवाहरलाल अपने को एक तानाशाह समझने लगे।' इस तरह से नेहरू स्वयं को और अपनी आवाम को लोकतंत्र और नागरिक स्वतंत्रताओं के साथ किसी भी संधि, समझौते के आगाह कर रहे थे।

महात्मा गांधी जी के न रहने पर वे भारतीय राजनीति के लोकप्रिय और शीर्ष नेता थे जिन्हें आवाम का भी प्रेम और सहयोग प्राप्त था। यदि वे चाहते तो आसानी से विपक्ष को खत्म कर सकते थे लेकिन उनका विजन एकदम स्पष्ट था कि लोकतंत्र की आत्मा विचारों के मतभेद में समाहित है भले ही वह विचार कितना ही अल्पसंख्यक क्यों न हो। भारत के प्रधानमंत्री के पूरे कार्यकाल के दौरान भी वे अपने कार्यों की लगातार आलोचना और समीक्षा करते रहे और करवाते रहे हैं। संसद में विशेष चर्चा सत्र देश/विदेश में प्रेस कांफ्रेंस करना और पत्रकारों के सवालों का सामना करना भी उनकी कार्यशैली का अभिन्न हिस्सा था। आलोचना और असहमति के सिमटते पब्लिक स्फीयर में आज हम इस तरह के साहस की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू संवैधानिक जिम्मेदारी के तहत अपने सभी नागरिकों और खासतौर पर अल्पसंख्यकों को सुरक्षा का एहसास दिलवाना चाहते थे। नेहरू ने अपनी इस प्रतिबद्धता को व्यक्त करने के लिए पत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला भी चलाई थी जिसमें उन्होंने सरदार पटेल सहित सभी प्रदेशों के मंत्रियों को पत्र लिखे थे। हमारे देश में एक मुस्लिम अल्पसंख्यक समाज है और उसकी तादाद इतनी बड़ी है कि वे चाहकर भी कहीं नहीं जा सकते हैं। यह एक मौलिक तथ्य है, जिस पर कोई बहस नहीं हो सकती है। पाकिस्तान की तरफ से जो भी उकसावे की कार्यवाही हो या वहां के अल्पसंख्यकों को जिस किसी भी अमानवीयता और



आतंक से गुजरना पड़े हमें अपने अल्पसंख्यकों के साथ सभ्य तरीके से पेश आना है। हमें उन्हें पूर्ण सुरक्षा देनी है और उन्हें एक लोकतांत्रिक देश के नागरिकों को मिलने वाले सभी प्रकार के अधिकार मिलने चाहिए। अगर हम ऐसा करने में नाकाम होते हैं तो हमारे देश में एक बजबजाता हुआ फोड़ा पैदा हो जाएगा जो आने वाले वक्त में हमारी पूरी राजनीतिक प्रणाली को खत्म कर देगा। पत्र में वे आगे लिखते हैं कि 'सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम अपनी नागरिक सेवाओं को सांप्रदायिक राजनीति के विषाणु से मुक्त रखें'। प्रधानमंत्री नेहरू ने गांधी जी के जन्मदिन के अवसर पर ऐसे अफसरों को चेतवनी दी कि 'वे बड़ी संख्या में हमारे मुस्लिम देशवासियों के मन में अनिश्चिता का वातावरण और असुरक्षा की भावना पैदा करने से बाज आएँ'। पाकिस्तान ने अपने आपको इस्लामिक राष्ट्र घोषित किया है उसके बरअवस हमने भारत को सेक्यूलर राष्ट्र कहा है जहां उसके सभी नागरिकों, निवासियों को उनके धर्म की

पूरी सुरक्षा है। हमें अपने आदर्शों और अपनी घोषणाओं के प्रति अडिग रहना है। सबसे बड़ी बात गांधी जयंती के अवसर पर हमें याद रखनी चाहिए कि गांधी जी ने हमें क्या सिखाया था और क्यों उन्होंने अपनी जान की कुर्बानी दी थी।' देश में आम चुनाव से पहले 2 जून 1950 को उन्होंने कहा था कि 'मुझे देश में विपक्ष होने का डर नहीं है और न ही मुझे चिंता है कि अगर विपक्षी समूह किसी सिद्धांत, व्यवहार या रचनात्मक मुद्दे के आधार पर अपनी बढ़त बनाते हैं। मैं भारत को एक ऐसा देश बनने नहीं देखना चाहता कि लाखों लोग किसी एक आदमी की हानि में हां मिलाएँ, मैं एक तगड़ा विपक्ष चाहता हूँ।'

देश के पहले आम चुनाव के अभियान के दौरान नेहरू ने सांप्रदायिक संगठनों को खासतौर पर अपने निशाने पर रखा और भारत को हिंदू पाकिस्तान न बनने देने पर लड़ा और जीता भी। नेहरू उन हिंदुस्तानियों के अधिकारों के प्रति चिंतित थे जिनकी संस्कृति और विश्वास बहुसंख्यक समाज के विश्वासों और संस्कृति से अलग थे। नेहरू ने पत्रों की श्रृंखला के एक पत्र में लिखा कि 'अगर भारत को एक लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष, स्थायी और मजबूत राष्ट्र बनना है तो हमारा पहला काम यह होना चाहिए कि हम अपने अल्पसंख्यकों को बिना भेदभाव के उनको उनका उचित हिस्सा प्रदान करें और इस तरह से उन्हें भारत में पूर्ण रूप से पारिवारिक एहसास दिलाएँ'।

आजादी के एक दशक से भी अधिक समय बीत जाने पर 1959 में एक भारतीय संपादक ने जो नेहरू की नीतियों के कटु आलोचक और विरोधी थे वे उनकी दो उपलब्धियों को रेखांकित करते हैं। वे उपलब्धियां थीं धर्मनिरपेक्ष राज्य का निर्माण और अछूत जातियों के लिए समान अधिकारों का प्रावधान। 'बंटवारे के बाद सक्रिय हुई प्रतिक्रियावादी शक्तियों के उफान को याद करते हुए' संपादक ने लिखा है कि 'अगर नेहरू ने जरा भी कमजोरी दिखाई होती तो ये ताकतें भारत को एक हिंदू राज्य में तब्दील कर चुकी होतीं जिसमें अल्पसंख्यकों को..... जरा भी सुरक्षा और अधिकार हासिल नहीं हो पाता।' इस बात का 'सदाबहार श्रेय' भी नेहरू को ही जाता है कि उन्होंने अछूत जातियों को बराबरी का अधिकार देने पर जोर दिया 'ताकि सार्वजनिक जीवन

में और सरकारी क्रियाकलापों में भारत की धर्मनिरपेक्ष राज्य व्यवस्था में मनुष्य की बराबरी को पूरी तरह कायम रखा जा सके।' वर्तमान समय में धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक समानता या बराबरी की बात करें तो उनसे संबंधित कानून संविधान की किताबों में ही सिमट कर रह गए हैं। अल्पसंख्यक और दलित वर्ग के अधिकांश लोग गरीबी में और हाशिए पर ही जिनगी जी रहे हैं। हिंसा की आशंका भी कभी दूर नहीं हो पाई। सभी नागरिकों को समान अधिकार देने के मामले में रफतार भी धीमी रही है। लेकिन फिर भी भारत की स्वतंत्रता के पहले सत्रह सालों या कहे नेहरू के कार्यकाल में उतनी प्राप्ति तो अवश्य हुई है, जितनी इससे पहले की सत्रह शताब्दियों में नहीं हुई थी। नेहरू लोकतांत्रिक संस्थाओं को बनाते हुए इस बात का खासा ध्यान रखते थे कि इसमें राज्य का कम से कम हस्तक्षेप हो, भले वह न्यायपालिका, कार्यपालिका या दूसरी संस्थाएं हों।

शैक्षणिक संस्थाओं को वे राज्य के हस्तक्षेप से पूरी तरह से स्वतंत्र रखने के पक्षधर थे, क्योंकि लोकतंत्र के चलायमान रहने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है। दिसंबर 1947 को उन्होंने कहा था कि 'विश्वविद्यालय मानवतावाद के लिए हैं। सहिष्णुता, तर्क, विचारों के रोमांच और सत्य की खोज के लिए.... अगर विश्वविद्यालय अपने दायित्व अच्छे से निभाते हैं, तो यह राष्ट्र के लोगों के लिए अच्छा है। लेकिन अगर ज्ञान के मंदिर ही कुछ संकीर्ण कट्टरता और अंधे मकसदों का घर बन जाते हैं जो फिर देश कैसे तरक्की कराए और लोगों का कद कैसे बढ़ाए।' आज भी नेहरू की वैज्ञानिक सोच, तार्किकता, साहस, लोकतांत्रिक व्यवस्था, लोकतांत्रिक मूल्यों और धर्मनिरपेक्षता के प्रति उनकी निष्ठा हमें उनका कायल बनाती है। आज के समय में नेहरू के विचारों को जानना, समझना और उनका विश्लेषण करना अत्यंत ही आवश्यक हो गया है। ताकि हम भी धर्म, जाति, रंग, नस्ल, लिंग से परे मनुष्य को सिर्फ मनुष्य समझकर व्यवहार करें, जो प्रकृति का नियम है, प्रेम का नियम है। नेहरू की नए भारत की परिकल्पना और प्रतिबद्धता को आलोचनात्मक विवेक के साथ आत्मसात करना जरूरी है ताकि वर्तमान में जारी समस्याओं के समाधानों को भी खोजा जा सके।

62वीं पुण्यतिथि पर विशेष

गौरव अवस्थी

(स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक)

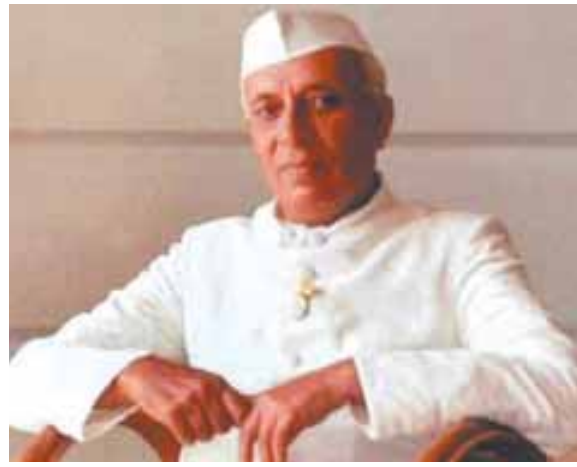


देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 27 मई 1964 को अंतिम सांस ली थी। दोपहर 2:20 बजे तत्कालीन गृहमंत्री गुलजारीलाल नंदा और टीटी कृष्णामाचारी ने लोकसभा में उनके निधन की आधिकारिक घोषणा की। खबर फैलते ही पूरा देश शोक में डूब गया। उनकी अंतिम यात्रा में लाखों लोग उमड़ें और देशभर में श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित हुईं। बच्चों के प्रति विशेष स्नेह के कारण ही पंडित नेहरू को देश ने 'चाचा नेहरू' की जनउपाधि दी। आज भी 14 नवंबर उनके जन्मदिन पर बाल दिवस मनाया जाता है। हालांकि बहुत कम लोगों को

बच्चों के बीच हंसने-खेलने वाले 'चाचा नेहरू'

याद है कि उनकी अध्ययनशील प्रवृत्ति के सम्मान में 14 से 21 नवंबर तक 'राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह' भी मनाया जाता है। कुशौरावस्था में ही वे अपने शिक्षक टी.एफ. ब्रुक्स की प्रेरणा से विश्व साहित्य और इतिहास की अनेक पुस्तकों का गंभीर अध्ययन कर चुके थे।

पंडित नेहरू के बच्चों के प्रति प्रेम के अनेक प्रसंग चर्चित हैं, लेकिन उनकी 62वीं पुण्यतिथि पर एक ऐसा संस्मरण उल्लेखनीय है जो अपेक्षाकृत कम चर्चा में रहा। यह प्रसंग गांधीवादी प्रकाशन संस्था सस्ता साहित्य मंडल की प्रेस 'चाचा नेहरू' की जनउपाधि दी। आज भी 14 नवंबर उनके जन्मदिन पर बाल दिवस मनाया जाता है। हालांकि बहुत कम लोगों को



गांधीवादी विचारों के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से कराई थी। इसके संचालन की जिम्मेदारी साहित्यकार पंडित हरिभाऊ उपाध्याय को सौंपी गई थी। बाद में इसका मुख्यालय दिल्ली आ गया, जहां हरिभाऊ जी के छोटे भाई मार्टंड उपाध्याय ने कार्यभार संभाला। मंडल से पंडित नेहरू की अंग्रेजी पुस्तकों - 'मेरी कहानी',

'हिंदुस्तान की कहानी' और 'विश्व इतिहास की झलक' - के हिंदी अनुवाद प्रकाशित हुए। इसी सिलसिले में मार्टंड जी का नेहरू से लगातार संपर्क बना।

मार्टंड उपाध्याय अपनी पुस्तक 'वे दिन वे लोग' में एक दिलचस्प घटना का उल्लेख करते हैं। उन दिनों कांग्रेस के भीतर मतभेदों का दौर था और वातावरण तनावपूर्ण था। इसी बीच कमलनयन बजाज और मार्टंड उपाध्याय पंडित नेहरू से मिलने पहुंचे। बातचीत के दौरान कमलनयन बजाज ने मुंबई में आयोजित होने वाले 'बालकन-जी-बारी' उत्सव में शामिल होने का आग्रह किया और उनसे संस्था का 'पैट्रन' बनने का अनुरोध किया। इतना सुनते ही पंडित नेहरू लगभग उछल पड़े। उन्होंने कहा -

'मैं पैट्रन नहीं बन सकता। मुझे यह सब ढकोसले पसंद नहीं। राष्ट्रपति जी पैट्रन बन सकते हैं, वे बुजुर्ग हैं। लेकिन मैं तो बच्चों के बीच जाऊंगा - हंसने, खेलने, कूदने, मिलने और उनसे बातें करूँगा। यही मुझे अच्छा लगता है।' नेहरू का यह सहज और बालसुलभ उत्तर उनके व्यक्तित्व की असली पहचान था। सत्ता के सर्वोच्च पद पर पहुंचने के बावजूद उन्होंने औपचारिकता और आडंबर से दूरी बनाए रखी। बच्चों के बीच घुल-मिल जाने वाला यही स्वभाव उन्हें 'चाचा नेहरू' बनाता है।

आज उनके निधन के 62 वर्ष बाद भी देश में लोग उनके केवल प्रथम प्रशासनिक के रूप में नहीं, बल्कि बच्चों के प्रिय 'चाचा नेहरू' के रूप में अधिक याद करते हैं।

पुण्य तिथि

आर.बी. त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।



यागराज का सनातन धर्म में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। प्रयागराज (बोलाचाल में आज भी इलाहाबाद प्रचलित) महज पवित्र नदियों का संगम स्थल ही नहीं बल्कि महाकृष्ण के आयोजन, लेटे हनुमान जी मंदिर के साथ यहां की ऐतिहासिक, धार्मिक, साहित्यिक, और सांस्कृतिक धरोहर के लिये जाना जाता है। साहित्यिक परंपरा की बात करें तो अमृत लाल नागर और मधुशाला जैसी कालजयी रचना देने वाले हरिवंश राय बच्चन जैसी हस्तियों और उनकी रचनाओं के लिये भी मशहूर है।

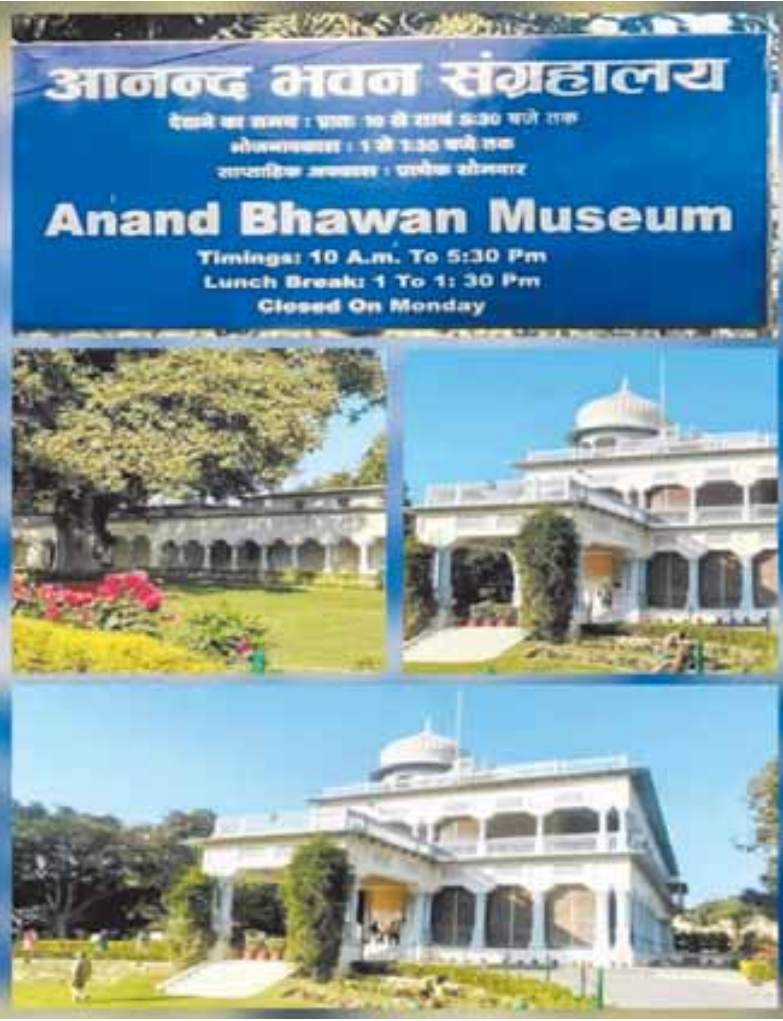
सियासत के दौर का स्मरण करें तो स्व. पंडित मोतीलाल नेहरू, देश के प्रथम प्रधान मंत्री स्व. जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गाँधी, वी.पी. सिंह राजा मांडा, इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा राज नारायण की याचिका पर इंदिरा जी के विरुद्ध दिये गये ऐतिहासिक फैसले के लिये भी याद किया जाता है।

इसके अतिरिक्त यहाँ की एक और अमूल्य ऐतिहासिक महत्व की धरोहर है आनंद भवन जो अब संग्रहालय के रूप में स्मृतियों को अपने में समेटे हुए है यह किसी एक परिवार, कुनबे का इतिहास नहीं बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन के पूर्व और आजाद भारत की महत्वपूर्ण घटनाओं को सुव्यवस्थित रूप से सुरक्षित रखे हुए है। इस भवन में महात्मा गाँधी का कक्ष है जहाँ ठहरकर वे तत्कालीन समय की महत्वपूर्ण मंत्रणाओं, फैसलों को अंतिम रूप देने में अपनी राय देते थे।

कांग्रेस कार्यकारिणी का बैठक कक्ष, अध्ययन कक्ष जैसे भाग तत्कालीन दौर के घटनाक्रम के साक्षी बने हुए हैं।

आनंद भवन का निर्माण पंडित मोतीलाल नेहरू ने 1930 के दशक में कराया था। भवन की वास्तुकला उस समय की प्रचलित आधुनिक शैली को दर्शाती है। पंडित जवाहर लाल नेहरू का बचपन और बाद के जीवन का बड़ा वक्त यहाँ बीता। यह भवन उस दौर के कई ऐतिहासिक क्षणों का साक्षी रहा है जो भारत के भविष्य को आकार देने में अविस्मरणीय साबित हुए हैं। कालांतर में पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गाँधी ने आनंद भवन को इस ऐतिहासिक इमारत को 1970 में राष्ट्र को समर्पित किया।

राजा महाराजाओं के किले आदि में से ज्यादातर अब संरक्षित होकर पर्यटक स्थल और होटल्स तथा रिसॉर्ट में तब्दील हो गये लेकिन किसी परिवार द्वारा अपने पुरखों की अमूल्य धरोहर को राष्ट्र को समर्पित किया गया हो ऐसे उदाहरण बिरले ही मिलते हैं। आज के सियासतदा के लिये यह एक अनूठ और अनुकरणीय उदाहरण है। आज यह भवन एक महत्वपूर्ण संग्रहालय के रूप में अवस्थित है। यहाँ ना केवल नेहरू - इंदिरा जी के परिवार की दुर्लभ तस्वीरें, निजी उपयोग की वस्तुएं, अनेक दस्तावेज तथा स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी अनेक यादगार चीजें करीने से प्रदर्शित की गई हैं। बल्कि इसके विशाल परिसर में स्थित स्वराज भवन भी ऐतिहासिक दृष्टि से खास है। यह स्थान ना केवल इतिहास की दुर्लभ जानकारी से अवगत कराता है बल्कि नई पीढ़ी को भारत के स्वतंत्रता संग्राम के बारे में जागरूक बनाने का महत्वपूर्ण जरिया है।



आनंद भवन जिन बेशकीमती अमूल्य धरोहर को अपने में संजोये हुए है उनमें पंडित मोतीलाल नेहरू का पर्स, होमोपैथिक दवाओं का बैग, तत्कालीन दौर में प्रचलित छोटी इस्त्री (प्रेस), पुरानी चिड़ियां, पुस्तकें, पंडित जवाहर लाल नेहरू के जीवन से जुड़ी अनेक दुर्लभ स्मृतियां, फोटोग्राफ, इंदिरा जी को हाथ से लिखा पत्र आदि शामिल हैं। इनके अतिरिक्त मोतीलाल नेहरू ने इंदिरा गांधी के जन्म पर लिखे विचार ' यह कन्या हजारों पत्तों के बराबर होगी' भी सुरक्षित हैं। संग्रहालय में पारिवारिक धरोहर कक्ष, कांग्रेस कार्यकारिणी का बैठक कक्ष, पुराने समय के टेलीफोन उपकरण, इंदिरा फिरोज विवाह स्थल, वैवाहिक कार्यक्रम का हाथ से लिखा निर्माण पत्र, आदि बड़े करीने से संजोकर रखे हुए हैं। संग्रहालय परिसर में स्वराज भवन, जवाहर तारामंडल, बड़ा सा सुंदर गार्डन, हरी भरी घासयुक्त लॉन और भरपूर पार्क आदि भी सुव्यवस्थित और मंटेन हैं।

प्रयागराज यात्रा का खास मकसद पवित्र संगम पर स्नान, लेटे हनुमान जी मंदिर सहित अन्य मंदिरों पर पूजा-अर्चना होता है। हम संगम पर नाव से पहुंचकर यमुना, गंगा, सरस्वती की त्रिवेणी पर पहुंचते हैं। सरस्वती नदी यहां अदृश्य रूप से पाई जाती है ऐसा उल्लेख शास्त्रों में है। संगम पर बीच मझधर में नावों को आपस में जोड़कर जुगाड़ टेक्नॉलाजी के जरिये स्नान की जगह बनाई गई है। यहां खासकर महिला श्रद्धालुओं के स्नान और खास बदलने की व्यवस्था की कमी नजर आती है। हर कोई पंडे आपके हाथ में नारियल देकर घेरने की कोशिश करते हैं। यदि आप विरोध करते हैं तो कथित

श्राप देने की धमकी देते हैं। निश्चित रूप से ये पंडे पुजारी तो नहीं हो सकते लेकिन इन्हें रोकने वाला यहां कोई नहीं होता। तीर्थों में ऐसे दृश्य आपकी श्रद्धा पर बुरा असर डालते हैं। संगम से गंगाजल पात्र में भरने के लिये स्वच्छ जल भरकर लाने के लिये बहुत प्रयत्न करना होता है। माघ मेला समाप्त हो जाने पर भी उस वक्त श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ था। हमारे नाविक अनंत केवट इलाहाबाद और संगम से जुड़ी रोचक जानकारी देते हुए बताते हैं कि यहां निषाद समाज के लोग ही चप्पू वाली समेता है। इस काम में भी ठेकेदारी प्रथा है हालांकि सरकारी इंतजामों को लेकर मोटर बोट भी चलती है। तत्कालीन सांसद और अभिनेता अमिताभ बच्चन ने सरस्वती घाट का निर्माण कराया था जो अब सेना के उपयोग तथा नियंत्रण में है प्रयागराज और संगम पर स्नान का शास्त्रों में अत्यधिक महत्व निरूपित किया गया है। राम चरित मानस में कहा गया है ' उतरि टाड़ भये सुरसरि रेता सीय राम पुल लखन समेता' तथा ' सियं सुरसरि कहेउ कर जोरी मातु मनोरथ पुरउवि मोरी ।' इसी प्रकार ' राम कीन्ह विश्राम निशि प्रात प्रयाग नहाइ चले सहित सिय लखन मुदिद मुनिहि सिरु नाइ।' गंग वचन सुनि मंगल मूला मुदिद सीय सुरसरि अनुकूला।' यहां सुरसरि से आशय पवित्र गंगा से है। इसी तरह संगम पर सरस्वती नदी अदृश्य रूप से प्रवाहित होकर प्रयागराज पहुंचती है। यह यमुना शास्त्रोक्त है कि यहां आकर सरस्वती गंगा तथा सास्त्रों के साथ संगम करती है। ऐसे अन्य कारण भी हैं जिनके चलते इलाहाबाद (प्रयागराज) का अत्यधिक महत्व बताया गया है।

मुख्यमंत्री ने उज्जैन में महिला कर्मयोगी बहनों को निःशुल्क ई-साइकिलें बांटी

ई-साइकिलों के प्रयोग से महिला कर्मयोगियों को मिलेगी शक्ति: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सीएसआर फंड से जिला प्रशासन उज्जैन ने उपलब्ध कराई ई-साइकिलें

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति कर रहा है। मध्यप्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण को गति देने के लिए संकल्पित है। प्रदेश की सभी माताएं-बहनें अपने जीवन में सुख-समृद्धि, आनंद और वैभव प्राप्त करें। दुनिया में पेट्रोल-डीजल से दाम बढ़ रहे हैं। महिला कर्मयोगी बहनों को निःशुल्क मिली ई-साइकिलें शक्ति प्रदान करेंगी। वैश्विक ऊर्जा संकट के दौर में इलेक्ट्रिक व्हीकल सबसे अच्छा विकल्प है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को उज्जैन में 40 महिला कर्मयोगी बहनों को ई-साइकिलें बांटने के बाद जन समुदाय को संबोधित कर रहे थे। साइकिलें उज्जैन जिला प्रशासन ने सीएसआर फंड के माध्यम से उपलब्ध कराई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ई-साइकिलें उपलब्ध कराने वाली कंपनी के प्रयास को सराहा और लाभ प्राप्त करने वाली बहनों के बधाई दी। आमजन के परिश्रम से जल संरक्षण के कार्यों में मध्यप्रदेश बना नंबर-1- मुख्यमंत्री



डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार जल संवर्धन की दिशा में लगातार तीसरे वर्ष विकास कार्यों को गति दे रही है। प्रदेश में जल गंगा संरक्षण महाभियान के जरिए गुड़ी पड़वा से लेकर 30 जून तक लगभग 10 हजार करोड़ से अधिक लागत के कार्य शामिल हैं। इनमें नदी, तालाब, पोखर, कुएँ, बावड़ियों के जीर्णोद्धार के कार्य किए जा रहे हैं। प्रमुख नदियों के उद्गम स्थलों पर जल संरक्षण के लिए विशेष गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। जल संरक्षण के कार्यों के लिए मध्यप्रदेश को देश में प्रथम स्थान मिला है। यह प्रदेशवासियों के परिश्रम का फल है।

भोजशाला के निर्णय का सभी वर्ग के लोगों ने किया सम्मान- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धार स्थित भोजशाला में गंगा दशहरा उत्सव धूमधाम से मनाया गया है। भोजशाला के संबंध में आए उच्च न्यायालय के फैसले का हिंदू-मुस्लिम सहित सभी वर्ग के लोगों ने सम्मान किया है। पहले अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर निर्माण और वर्तमान में धार की भोजशाला को लेकर हमारे मतों में भिन्नता हो सकती है। राज्य सरकार न्यायालय के निर्णय को सफलतापूर्वक लागू करा रही है।

सीमेंट वाले जीरे के बाद अब केमिकल वाला धनिया पाउडर

ब्यावरा में पकड़ी गई मिलावट करने वाली फैक्ट्री

राजगढ़ (नप्र)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा शहर में लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ करने वाले एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। ब्यावरा सिटी थाना पुलिस और खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने कमला लॉज के पीछे स्थित एक किराए की दुकान पर छपा मारकर नकली धनिया बनाने वाली फैक्ट्री को सील कर दिया है। इससे पहले मध्य प्रदेश के ही ग्वालियर में सौंफ के ऊपर सीमेंट लगाकर उसे जीरा बनाकर बेचा जा रहा था। शहर थाना टीआई शिवराजसिंह चौहान ने बताया कि मुख्यालय से मिली सटीक सूचना के बाद एसआई विवेक शर्मा और खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवराज पावक के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। मौके से दो आरोपियों को रोहथों गिरफ्तार किया गया है, जबकि कुल तीन लोगों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 और मिलावटखोरी की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच में सामने आया कि आरोपी नानकराम वर्मा और गोपाल वर्मा बाजार से बेहद कम दाम में धनिया के डंठल खरीदते थे। इसके बाद ग्राइंडर चक्की की मदद से उसे पीसकर बुरादा तैयार किया जाता था।

ब्रह्मलीन मुद्दल जी का जन्मोत्सव मनाया

सोहागपुर। समीपवर्ती ग्राम सेमरीहरचंद में आयोजित श्री राधा कृष्ण महाशक्ति महायज्ञ के तृतीय दिवस 25 मई को संस्था अरती उपरांत यज्ञ के प्रेरणा स्रोत ब्रह्मलीन पंडित गृहस्थ संत परम पूज्य गुरुदेव पंडित मनमोहन जी मुद्दाल के 78वें जन्मोत्सव को बड़े हर्षोल्लास के साथ



मनाया गया। इस अवसर पर ब्रह्मलीन पंडित मनमोहन मुद्दल के शंभू दरवार के गादीधारी पंडित प्रकाश मनमोहन मुद्दल विशेष रूप से उपस्थित थे। श्री कृष्ण राधा कृष्ण महाशक्ति महायज्ञ में पूज्य गुरुदेव के विभिन्न जगहों से आए हुए जबलपुर, नरसिंहपुर, भिलाई, दिल्ली, मुंबई, इटारसी, होशंगाबाद, हरदा, इन्दौर, भोपाल, कटनी, पिपरिया एवं क्षेत्रीय सभी शिष्य परिवार द्वारा बड़े भावपूर्ण तरीके से जन्मोत्सव मनाया गया। जन्मदिन के उपलक्ष्य पर पूज्य गुरुदेव के ज्येष्ठ पुत्र वर्तमान गादीधारी पं. प्रकाश मनमोहन जी का लड्डों से तुलान किया गया। श्री राधा कृष्ण महाशक्ति महायज्ञ में रात को वृन्दावन के रासमंडली ने रासलीला का मंचन किया गया।

म.प्र. आदिवासी विकास परिषद के

तत्वावधान में थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा

सोहागपुर। मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद के जिलाध्यक्ष एवं पूर्व पापंड अरुण प्रधान नर्मदापुरम के नेतृत्व में थाना प्रभारी रहलु शयकवार ने विगत दिनों भानूसिंह ठाकुर के बोरेखेल मशीन से मृत्यु हो जाने के संबंध में ज्ञापन सौंपा इस ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि भानू सिंह ठाकुर आत्मज श्री सुखमनसिंह ठाकुर निवासी इंदिरागांधी वार्ड तहसील पिपरिया जिला नर्मदापुरम का निवासी था। दिनांक 10.04.2026 को बोरिंग मशीन का काम करने के लिए मुरारी गोस्वामी के साथ ग्राम माछ गये हुए थे।



दिनांक 13.04.2026 को माछ में किसी किसान के खेत में बोरिंग का ट्रैक्टर, मशीन कार्य करते समय मजदूर भानूसिंह ठाकुर के ऊपर गिर गई थी। तत्पश्चात् अवस्था में मुरारी गोस्वामी अस्पताल ले जाया गया। वहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। बोरिंग मशीन के मालिक मुरारी गोस्वामी ने कहा था कि गरीब आदिवासी मजदूर का इलाज एवं परिवार की सहायता करूंगा। लेकिन कुछ समय बाद वह सारी बातों से मुकर गया। इस कारण थाना प्रभारी से विनम्र निवेदन है कि मुरारी गोस्वामी के ऊपर एस.टी.एस.सी. एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गरीब आदिवासी महिला को न्याय दिलाया जाय। इस ज्ञापन की प्रति के साथ एस.पी. साहब नर्मदापुरम को दी गई आवेदन की छायाप्रति संलग्न है। इस अवसर पर अरुण प्रधान, भवानदास ठाकुर सहित कई सजातीय बन्धु उपस्थित थे।

भोपाल में बनने जा रहा है पहला सरकारी डॉग शैल्टर

1 एकड़ में खुलेगा आधुनिक सेंटर, 2000 कुत्तों को रखने की क्षमता

भोपाल (नप्र)। शहर को आवारा कुत्तों के आतंक से मुक्ति दिलाने और सार्वजनिक जगहों को सुरक्षित बनाने के लिए भोपाल नगर निगम ने एक बड़ा मास्टर प्लान तैयार किया है। सुप्रीम कोर्ट के नवंबर 2025 के निर्देश का पालन करते हुए बीएमसी कोलाज के कलियासोत इलाके में शहर का पहला सरकारी डॉग शैल्टर बनाने जा रही है। एक एकड़ में फैलने वाले इस आधुनिक केंद्र में करीब 1,500 से 2,000 आवारा कुत्तों को एक साथ रखने की क्षमता होगी। इस प्रोजेक्ट के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि शहर की सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर आवारा कुत्तों की समस्या काफी हद तक कम हो जाएगी।

इन 9 'नो-डॉग जोन्स' पर रहेगा पहला फोकस

बीएमसी के वेटरनरी विंग के अधिकारियों के मुताबिक, शुरुआती चरण में शहर के नौ निम्नलिखित 'नो-डॉग जोन्स' से ही कुत्तों को पकड़कर इस नए शैल्टर होम में शिफ्ट किया जाएगा। इन जोन्स में स्कूल, अस्पताल, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स शामिल हैं, जहां आवारा कुत्तों की मौजूदगी के कारण सुरक्षा और स्वच्छता पर लगातार सवाल उठते रहे हैं।

'सीखो-कमाओ योजना' से संतर्पण भविष्य; ट्रेनिंग के साथ दो युवाओं को मिली पक्की नौकरी, 1040 पदों पर भर्ती जारी

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी 'मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना' (MMSKY) युवाओं के लिए न केवल कौशल विकास का जरिया बन रही है, बल्कि उनके रोजगार के सपनों को भी सीधे उड़ान दे रही है। इसी कड़ी में ऊर्जा विभाग के अंतर्गत मध्य क्षेत्र वितरण कंपनी लिमिटेड में ट्रेनिंग ले चुके दो होनहार युवाओं को उनकी कड़ी मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर नियमित रोजगार प्राप्त हुआ है।

सफलता की कहानी: आयुषी और विवेक ने हासिल किया मुकाम- मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के सफल क्रियान्वयन के तहत प्रशिक्षण पाकर सफलता का मुकाम हासिल करने वाले दो युवाओं ने अपनी कहानी साझा की है:

● **आयुषी दुबे:** ग्वालियर की रहने वाली आयुषी ने कंपनी में ग्रेजुएट इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल) प्रशिक्षु के रूप में कार्य करना शुरू किया था। ट्रेनिंग के दौरान उन्होंने तकनीकी ज्ञान, व्यावहारिक अनुभव और संगठन की कार्य संस्कृति को गहराई से समझा। कंपनी में सहयोगी माहौल और सीनियर

अधिकारियों के मार्गदर्शन की बदौलत उन्होंने प्रतियोगी परीक्षा पास की और आज मध्य क्षेत्र वितरण कंपनी में जूनियर इंजीनियर के पद पर नियमित सेवाएं दे रही हैं।

● **विवेक अहिरवार:** भोपाल जिले के रहने वाले विवेक ने योजना के तहत कंपनी के आईटी (IT) सेल में ऑन-जॉब ट्रेनिंग (OJT) ली। ट्रेनिंग के दौरान काम के प्रति उनकी लगन और सीखने की इच्छा को देखते हुए मध्य प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने उन्हें ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी (GET) का प्रस्ताव दिया। विवेक बताते हैं कि इस योजना ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया है और अब वे अपने परिवार को आर्थिक रूप से सहयोग कर पा रहे हैं।



क्या है योजना और कैसे करें आवेदन?

गौरतलब है कि 'मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना' के तहत मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा आईटीआई, डिप्लोमा, और स्नातक पास बेरोजगार युवाओं को ऑन द जॉब ट्रेनिंग के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। कंपनी द्वारा वर्तमान में अलग-अलग 10 ट्रेडों में युवाओं को प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से MMSKY पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं।

कंपनी में कुल 1562 स्वीकृत पदों में से 522 प्रशिक्षुओं की भर्ती की जा चुकी है, जबकि 1040 रिक्त पदों जिनमें इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के 304 पद, लाइनमैन के 193 पद, इलेक्ट्रिशियन के 179 पद, स्ट्रेटो इंसिलर के 135 पद, स्ट्रेटो हिंदी के 89 पद, कंप्यूटर ऑपरेटर एवं

खेल मैदान पर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा महाराज स्वर्गीय हेमंत सिंह पवार, स्वर्गीय अरविंद काशिव एवं स्वर्गीय संदीप कराले के चित्रों पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों

का स्वागत कल्पना जोशी (वरिष्ठ समाजसेवी) द्वारा किया गया। शैलाराजे पवार का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। वहीं श्रीमती नेहा महेश बोडाने का स्वागत जगदीश शर्मा (योग गुरु) एवं डिंपल परमार (कराटे खिलाड़ी) द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत यशवंत निक्कम, अम्बालाल पाटीदार, कपिल यादव, विजय सोलंकी, राम सोलंकी एवं कुशल शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का स्वागत भाषण एवं प्रस्तावना जगदीश शर्मा (योग गुरु) द्वारा प्रस्तुत की गई। अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदीप जो जोशी द्वारा भेंट किए गए। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन राम गोपाल शर्मा 'गुरुजी' द्वारा किया गया।

राज्य निर्वाचन आयोग प्रेक्षक श्री अहमद ने निर्वाचन शाखा का किया निरीक्षण



सोहागपुर। राज्य निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक श्री निसार अहमद सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक अधिकारी ने मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण 2026 की तैयारियों की समीक्षा की। उनके साथ लायजनिंग अधिकारी, प्रभारी खनिज निरीक्षक नर्मदापुरम श्री कृष्णकांत परसे भी साथ थे। इस अवसर अनुविभागीय एवं रिजिस्ट्रिकरण अधिकारी प्रियंका भल्लावी तहसीलदार आर एस झरबड़े उपस्थित थे। इसी क्रम में श्री अहमद ने नगरीय निकाय एवं पंचायत की फोटो युक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण (रिवीजन) वर्ष 2026 की तैयारियों को लेकर निर्वाचन शाखा का औचक

निरीक्षण किया। आपने मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की प्रगति और व्यवस्थाओं का बारीकी से अध्ययन करके जायजा लिया। आपने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्य निर्वाचन आयोग की मंशानुसार पूरी पारदर्शिता एवं शुद्धता के साथ मतदाता सूची तैयार की जाए ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे।

पुनरीक्षण कार्य की विस्तृत जानकारी ली- राज्य निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक श्री अहमद ने निरीक्षण के दौरान स्थानीय अधिकारियों ने अब तक की गई तैयारियों और डेटा प्रविष्टि की प्रगति से अवगत कराया। प्रमुख रूप से

अनुविभागीय एवं रिजिस्ट्रिकरण अधिकारी, पंचायत सुश्री प्रियंका भल्लावी, नगरीय रिजिस्ट्रिकरण अधिकारी, तहसीलदार आर एस झरबड़े, खंड पंचायत अधिकारी गौरीशंकर मेहरा, राजस्व निरीक्षक नगर पंचायत संजय परसाई, निर्वाचन सहायक प्रोग्रामर अमित कुमार मिश्रा एवं संदीप कुशावाहा आदि से पुनरीक्षण की जानकारी ली। प्रेक्षक श्री निसार अहमद ने निर्वाचन शाखा के तकनीकी और प्रशासनिक कार्यों पर संतोष व्यक्त किया है। आपने समय-सिमा के भीतर सभी बचे शेष कार्यों को शुद्धता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

आरोह ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में पुलिस ने दी गुड टच एवं बेड टच, यातायात की जानकारी

सोहागपुर। प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में जवाहरलाल नेहरू स्मृति महाविद्यालय परिसर में आरोह ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण एवं व्यक्तिगत विकास अभियान के तहत अनुविभागीय अधिकारी प्रियंका भल्लावी, सहायक उपनिरीक्षक गणेश राय एवं मनोज सिंह राजपूत, आरक्षक मनोहर दायमा, युवा एवं कल्याण विभाग की चंदा मिश्रा आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर एसआई गणेश राय ने उपस्थित युवाओं एवं मातृशक्ति को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए बताया कि दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें। एक साथ तीन व्यक्ति वाहन पर सवार न हों, तेज रफतार से दुर्घटनाओं को संभावना रहती है। इसलिए वाहन को सुरक्षित होकर चलाएं। आपने बच्चों को नशा मुक्ति एवं गुड टच बेड टच की विस्तृत जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार युवाओं और बच्चों में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने, आधुनिक प्रशिक्षण देकर उनके सर्वांगीण विकास करने के लिए ग्रीष्मकालीन खेल कूद प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर रही है। आरोह अभियान की मुख्य विशेषताएं समर कैम्प में विभिन्न खेल और



रचनात्मक गतिविधियों का महाअभियान चलाकर बच्चों का विकास करना है। इसके साथ ही बच्चों को मोबाइल को लय से भी दूर करने का प्रयास है। इस अवसर बच्चों के सर्वांगीण विकास के

लिए अनुविभागीय अधिकारी प्रियंका भल्लावी ने सारांशित उद्देश्य दिया। उल्लेखनीय है कि जवाहरलाल नेहरू स्मृति महाविद्यालय में ग्रीष्मकालीन खेल कूद प्रशिक्षण शिविर में हकी, वॉलीबॉल,

एथलेटिक्स, फुटबॉल, आदि के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस आदि पर कोंचों द्वारा आधुनिक तकनीक से ट्रेनिंग दी जा रही है। इस अवसर पर खेल प्रशिक्षक भी उपस्थित थे।

ताप्ती और शनि सरोवर को गंदे पानी से मिलेगी राहत

7 करोड़ 80 लाख की वॉटर ट्रीटमेंट योजना स्वीकृत, टेंडर प्रक्रिया पूरी

बैतूल/मुलताई। वर्षों से गंदे एवं सीवरयुक्त पानी की समस्या झेल रहे मुलताई नगर के ताप्ती जलमार्ग, ताप्ती सरोवर और शनि सरोवर को अब राहत मिलने की उम्मीद जगी है। मुलताई नगर पालिका ने लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट योजना के अंतर्गत लगभग 7 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से वॉटर ट्रीटमेंट योजना को स्वीकृति प्रदान कर दी है। योजना की सभी प्रशासनिक एवं तकनीकी औपचारिकताएं पूर्ण होने के साथ ही टेंडर प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। अब सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह महत्वाकांक्षी योजना धरातल पर किस प्रकार लागू होती है और ताप्ती सरोवर एवं जलमार्ग में पहुंचने वाले गंदे पानी को रोकने में कितनी प्रभावी साबित होती है।

क्या है वाटर ट्रीटमेंट योजना- मुलताई नगर पालिका द्वारा तैयार की गई इस योजना का मुख्य उद्देश्य ताप्ती वार्ड रेलवे लाइन क्षेत्र से निकलने वाले प्रमुख जलमार्ग में बहकर आने वाले गंदे पानी को ट्रीट कर स्वच्छ जल को अलग करना है। इसके लिए चरणबद्ध तरीके से विभिन्न स्थानों पर ट्रीटमेंट संरचनाएं विकसित की जाएंगी। योजना के तहत पहला ट्रीटमेंट स्ट्रक्चर दुर्गा माता मंदिर के पास बनाया जाएगा। यहां गंदे पानी को रोककर साफ एवं दूषित जल को अलग-अलग हिस्सों में विभाजित किया जाएगा, जिसके बाद पानी को अगले ट्रीटमेंट प्लैंट तक भेजा जाएगा। दूसरी संरचना कांजी हाउस के पास बनाई



जाएगी, जबकि तीसरी ट्रीटमेंट संरचना मोक्षधाम क्षेत्र में तैयार की जाएगी। इसके बाद कचरा खंती के पास एक और प्रमुख ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया जाएगा, जहां अंतिम स्तर पर पानी का उपचार किया जाएगा। नया मुलताई के अधिकारियों का दावा है कि इस बहुस्तरीय प्रक्रिया के माध्यम से ताप्ती सरोवर और जलमार्ग में सीधे गंदे पानी के प्रवाह को काफी हद तक रोक जा सकेगा।

आम साईं कंस्ट्रक्शन को मिला निर्माण कार्य- प्राप्त जानकारी के अनुसार

इस परियोजना की डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) यश इंजीनियरिंग भोपाल द्वारा तैयार की गई है। वहीं योजना के निर्माण कार्य का ठेका ओम साईं कंस्ट्रक्शन, छिंदवाड़ा को दिया गया है तथा अनुबंध प्रक्रिया भी पूर्ण हो चुकी है। नगर क्षेत्र में लंबे समय से ताप्ती जलमार्ग और सरोवरों में गंदे पानी के प्रवाह को लेकर नागरिकों एवं सामाजिक संगठनों द्वारा चिंता जताई जाती रही है। ऐसे में इस योजना को नगर के पर्यावरण एवं धार्मिक आस्था से जुड़े महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

इनका कहना -

ताप्ती सरोवर एवं जलमार्ग को गंदे पानी से मुक्त करना परिषद की प्राथमिकता है। ताप्ती सरोवर एवं जलमार्ग गंदे पानी से मुक्त हो सके, यह हमारे लिए भावना से जुड़ा मुद्दा है। गंदा पानी सरोवर में न जाए, इसके लिए जो ट्रीटमेंट योजना स्वीकृत हुई है, हमारी परिषद का प्रयास रहेगा कि इसका सही क्रियान्वयन हो और ताप्ती जलमार्ग तथा सरोवर पूरी तरह स्वच्छ बन सकें।

संक्षिप्त समाचार

बिना कारण श्रमिकों को काम से न हटाएं : कलेक्टर डॉ. सोनवणे

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर डॉ.सौरभ सोनवणे ने शनिवार को अपर रेस्ट हाउस सारणी के सभाकक्ष में मध्यप्रदेश पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड सारणी एवं वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के मजदूरों से संबंधित समस्याओं के संबंध में विभागीय अधिकारियों, श्रमिक यूनियन के पदाधिकारियों एवं श्रम विभाग से चर्चा की। इस दौरान डब्ल्यूसीएल में श्रमिकों के खतों में भुगतान होने के पश्चात ठेकेदारों द्वारा नगद राशि उनसे वापिस लेने की शिकायत के मामले पर कलेक्टर डॉ.सोनवणे द्वारा उक्त एजेंसियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं सम्बन्धित विभागों के एच आर को भी ऐसी शिकायतों में जिम्मेदारी लेकर संबंधित एजेंसी को नोटिस देने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त श्रमिकों को बिना किसी कारणवश दबाव में कार्य से न निकाले जाने के लिए भी निर्देशित किया। इस दौरान कलेक्टर के समक्ष बालाजी एंटरप्राइज द्वारा एमपीपीजीसीएल सारणी में श्रमिकों के एरियर का भुगतान चेक के माध्यम से करने के लिए आश्वस्त किया गया एवं सभी ठेकेदारों को श्रमिकों का वेतन समय पर एवं आवश्यक रूप से वेतन पच्ची देने के निर्देश दिए गए। बैटुक में एरिया प्लानिंग ऑफिसर पाथाखेड़ा डब्ल्यूसीएल श्री लक्ष्मीकांत चंद्रवंशी, एमपीजीसीएल चीफ इंजीनियर श्री एस्के लिल्लेहरे उपस्थित रहे।

नगद इनाम की घोषणा

विदिशा (निप्र)। पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवाना के द्वारा थाना सिविल लाइन विदिशा में दर्ज अपराध क्रमांक 222/2026 की विभिन्न धाराओं के फरार आरोपी हिमांशु पुत्र शिव निवास शुक्ला निवासी हौमगाई कार्यालय रोड हीरापुर विदिशा की सूचना देने वालों को तीन हजार रूपए की नगद राशि देने की उद्घोषणा की है। सूचनाकर्ता चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

चितौरा ग्राम में भूमि सीमांकन कार्य संपन्न, आवेदक ने जताया संतोष

विदिशा (निप्र)। सिरोंज तहसील अंतर्गत ग्राम चितौरा में भूमि सीमांकन का कार्य राजस्व विभाग द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। तहसीलदार श्री संजय चौधरीया से प्राप्त जानकारी के अनुसार आवेदक सोहेल अहमद पुत्र जाहू रहमत की भूमि सर्वे नंबर 245/2, रकबा 1.822 हेक्टेयर का नियमानुसार सीमांकन किया गया। सीमांकन कार्य राजस्व अधिकारियों एवं संबंधित अमले की उपस्थिति में किया गया, जिसमें भूमि की सीमाओं का मौके पर सत्यापन कर चिह्नंकन किया गया। कार्यवाही के दौरान आवश्यक राजस्व अभिलेखों का अवलोकन करते हुए निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया गया। सीमांकन उपरांत आवेदक सोहेल अहमद ने कार्यवाही पर संतोष व्यक्त करते हुए राजस्व विभाग का आभार व्यक्त किया। प्रशासन द्वारा कहा गया कि भूमि संबंधी विवादों के निराकरण एवं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सीमांकन कार्य नियमित रूप से किया जा रहा है।

सीएमएचओ ने दोराहा सीएचसी में ली सेक्टर स्तरीय अधिकारियों की बैठक

सीहोर (निप्र)। सीएमएचओ डॉ सुधीर कुमार डेहरिया द्वारा दोराहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सेक्टर स्तरीय स्वास्थ्य अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं एवं विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता एवं नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

प्रधानमंत्री आवास योजना से श्री नरेश कुमार शंकरवार के पक्के घर का सपना हुआ साकार



सीहोर (निप्र)। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा गरीबों के कल्याण के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना भी उन्हीं योजनाओं में से एक है। इसके योजना के तहत गरीब परिवारों को पक्का मकान बनाने के लिए सहायता राशि प्रदान की जाती है। अपने सिर पर एक पक्की छत होना हर व्यक्ति का सपना होता है। स्वयं का पक्का मकान, जहां वह अपने परिवारों के साथ एक खुशहाल जीवन व्यतीत कर सकें। लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति के लिए पूरी जिन्दगी भर की पूंजी लगाने पर भी

पक्का मकान बनाना संभव नहीं हो पाता। सीहोर के वार्ड क्रमांक 15 कोहली मोहल्ला निवासी श्री नरेश कुमार शंकरवार ने सपने में भी नहीं सोचा था कि उनका अपना पक्का मकान होगा। श्री नरेश कुमार कहते हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनके पक्के घर के सपने को साकार किया है। अब वह अपने परिवार के साथ बिना किसी परेशानी के प्रधानमंत्री आवास में रह रहे हैं। श्री नरेश कुमार ने बताया कि कच्चे घर में बारिश के मौसम में रहने में बहुत परेशानी होती थी। छत से पानी टपकने के साथ ही सांप, बिच्छू आदि जहरीले जीवों का घर में घुस जाने का डर हमेशा बना रहता था। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना ने हमें इन सब चिंताओं से मुक्त कर दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास की स्वीकृति मिली और कुछ महीनों बाद घर बनकर तैयार हो गया। श्री नरेश कुमार शंकरवार ने इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद दिया है।

यात्री बसों पर परिवहन विभाग की सख्त कार्रवाई

विदिशा (निप्र)। परिवहन आयुक्त के निर्देशों के पालन में जिला परिवहन विभाग द्वारा जिले में यात्री बसों एवं अन्य वाहनों के विरुद्ध विशेष जांच अभियान का संचालन किया जा रहा है। जिला परिवहन अधिकारी श्री गिरिजेश वर्मा के नेतृत्व में ग्यारसपु, बासोदा, कुरवाई एवं अशोकनगर रोड पर वाहनों की सख्त चेकिंग की गई। जांच अभियान के दौरान कुल 24 वाहन नियमों का उल्लंघन करते पाए गए, जिनके विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। इनमें से 15 वाहनों से कुल एक लाख 28 हजार का शमन शुल्क वसूला गया। इस राशि में 8 यात्री बसों से वसूला गया 24 हजार का शमन शुल्क भी शामिल है। कार्यवाही के दौरान 9 वाहनों को विभिन्न अनियमितताओं के चलते जब्त किया गया।

सीएस ने वीसी के माध्यम से पीएचई विभाग के कार्यों की समीक्षा की

पेयजल व्यवस्था सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश



विदिशा (निप्र)। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्थाओं की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गहन समीक्षा की। बैठक में सभी निकायों को पेयजल को प्राथमिकता देते हेतु ग्रीम ऋतु में कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान प्रमुख सचिव श्री जैन ने प्रदेश के विभिन्न निकायों में

संचालित पेयजल योजनाओं, जल आपूर्ति व्यवस्था तथा ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने हेतु किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी द्वारा दिए गए निर्देशों का समय-समय में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा आमजन को योजनाओं

जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती वंदना जाट ने जनगणना जागरूकता के लिए एलईडी वैन को दिखाई हरी झंडी

बैतूल (निप्र)। भारत की जनगणना 2027 के अंतर्गत आमजन में जागरूकता बढ़ाने एवं जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बैतूल जिले में जनगणना कार्य निदेशालय से आई एलईडी जनजागरूकता वैन को अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती वंदना जाट ने हरी झंडी दिखाते हुए ग्रामीण एवं नगरीय चार्जों में रवाना किया गया। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ.सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशन में अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती वंदना जाट, जिला योजना अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी श्री नरेंद्र गौतम, जनगणना कार्य निदेशालय से



जिला प्रभारी श्री भरतलाल गौर, चार्ज अधिकारी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका बैतूल श्री नवीनीत पांडे तथा जिला जनगणना कार्यालय की टीम की उपस्थिति में जागरूकता वाहन ग्रामीण एवं नगरीय चार्जों में

जिला प्रभारी श्री भरतलाल गौर, चार्ज अधिकारी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका बैतूल श्री नवीनीत पांडे तथा जिला जनगणना कार्यालय की टीम की उपस्थिति में जागरूकता वाहन ग्रामीण एवं नगरीय चार्जों में

वैन जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर नागरिकों को जनगणना 2027 से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारीयों उपलब्ध कराएगी तथा उन्हें जनगणना कार्य में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करेगी। एलईडी वैन के माध्यम से नागरिकों को जनगणना कार्य की गोपनीयता, सही एवं प्रामाणिक जानकारी के महत्व आवश्यक संदेश प्रसारित किए जाएंगे।

जिला प्रशासन ने आमजन से आग्रह किया है कि वे अपने क्षेत्र में पहुंचने वाली जनजागरूकता वैन को अवश्य देखें तथा जनगणना 2027 से संबंधित जानकारी प्राप्त कर जागरूक नागरिक के रूप में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।



एसडीएम की अध्यक्षता में आगामी त्योहारों के मद्देनजर शांति समिति बैठक आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सोहागपुर सुश्री प्रियंका भलावी तथा थाना प्रभारी की अध्यक्षता में आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस प्रशासन, नगर परिषद, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक बंधुओं, पत्रकार बंधु एवं शांति समिति के सदस्यों की उपस्थिति रही। बैठक के दौरान आगामी त्योहारों के अवसर पर कानून व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति एवं पेयजल व्यवस्था सहित

विभिन्न आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही आपसी भाईचारा एवं साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा नागरिकों से त्योहारों को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों एवं भ्रामक सूचनाओं से दूर रहने की अपील की गई। आयोजकों से निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने तथा किसी भी समस्या की स्थिति में तत्काल प्रशासन को सूचित करने का आग्रह किया गया। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

जनजातीय गरिमा उत्सव धरती आबा कार्यक्रम के तहत

‘सबसे पहले सबसे दूर’ अभियान अंतर्गत जनजातीय क्षेत्रों में जनसुनवाई आयोजित

83 आदि सेवा केंद्रों में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं, अधिकांश मामलों का मौके पर हुआ निराकरण



आयोजित किए जा रहे हैं। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार एवं मुख्य

कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हिमांशु जैन के मार्गदर्शन में सहायक आयुक्त

जनजातीय कार्य विभाग श्री विवेक नागवंशी एवं सहायक संचालक जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती आशा मौर्य के द्वारा जिले में भी 19 मई से 23 मई तक जनजातीय बहुल क्षेत्रों में विशेष जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जिले के सभी 83 आदि सेवा केंद्रों में विभागीय अधिकारियों, ब्लॉक नोडल, ग्राम नोडल, आदि साथी एवं आदि सहयोगियों द्वारा ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। प्राप्त आवेदनों से से अधिकारी समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष आवेदनों पर शीघ्र कार्रवाई कर निराकरण का आश्वासन संबंधित विभागों द्वारा दिया गया। जनसुनवाई के दौरान वन अधिकार पट्टे, आधार कार्ड, समग्र आईडी,

पेंशन प्रकरण, जाति प्रमाण पत्र, शिक्षा एवं विभिन्न सामुदायिक समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। इसके साथ ही कार्यक्रमों के दौरान वृक्षारोपण एवं स्वास्थ्य परीक्षण जैसी जनकल्याणकारी गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के सफल एवं गरिमामय आयोजन में जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जनभागीदारी के अंतर्गत संचालित इस अभियान में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हिमांशु जैन, सहायक आयुक्त श्री विवेक नागवंशी, क्षेत्र संयोजक श्री हर्षित कौर्य एवं सहायक संचालक श्रीमती आशा मौर्य का विशेष मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त हुआ।

प्रदेश के 45 शहर हीटवेव की चपेट में

5 में लू कारेड अलर्ट, 28 मई को प्री-मानसून की दस्तक, 14 जिलों में पानी गिरेगा



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज नई दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से उनके निवास पर पुष्प-गुच्छ भेंट कर शिष्टाचार भेंट की।

ईद के चलते एमसीयू की 28 मई की परीक्षाएं टलीं

अब 7 जून को होंगी, पुराने एडमिट कार्ड मान्य, पीएचडी इंटरव्यू की तारीखों में भी संशोधन

भोपाल (नप्र)। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय की 28 मई को प्रस्तावित परीक्षाएं अब स्थगित कर दी गई हैं। ईदुजुल (बकरीद) के अवसर पर केंद्र और राज्य सरकार द्वारा सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह निर्णय लिया है।

विश्वविद्यालय द्वारा जारी संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, 28 मई को होने वाली सभी परीक्षाएं अब 7 जून 2026 (रविवार) को आयोजित की जाएंगी। यह बदलाव विश्वविद्यालय परिसर सहित प्रदेश के सभी परीक्षा केंद्रों पर लागू होगा, जहां एमसीयू की परीक्षाएं संचालित हो रही हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए नए प्रवेश पत्र जारी नहीं किए जाएंगे। परीक्षार्थी अपने पूर्व में जारी एडमिट कार्ड के आधार पर ही परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। विश्वविद्यालय ने छात्रों और संबंधित अध्ययन संस्थानों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार के भ्रम से बचने के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर संशोधित परीक्षा कार्यक्रम की जानकारी अवश्य देखें।

इधर, पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया में भी आंशिक बदलाव किया गया है। पहले 28-29 मई को प्रस्तावित साक्षात्कार अब 29-30 मई को होंगे। 29 मई के साक्षात्कार पूर्ववत् रहेंगे, जबकि 28 मई को निर्धारित अभ्यर्थियों के इंटरव्यू अब 30 मई को आयोजित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के इस निर्णय से हजारों विद्यार्थियों को राहत मिलेगी, जिन्हें अवकाश के चलते परीक्षा में शामिल होने में दिक्कत का सामना करना पड़ सकता था।

मप्र में 1 रू. प्रति किलो महंगी हुई सीएनजी

भोपाल में 94.75 रुपए पहुंची कीमत; 10 दिन में दूसरी बार रेट बढ़े



भोपाल (नप्र)। इरान जंग के बीच मध्य प्रदेश में कंप्रेसड नेचुरल गैस यानी, सीएनजी के रेट 10 दिन में दूसरी बार बढ़े हैं। भोपाल में यह 1 रुपए प्रति किलो तक महंगी कर दी गई है। अब यह 94.75 रुपए प्रति किलो में मिल रही है।

इससे पहले 16 मई को करीब 3 रुपए प्रति किलो रेट बढ़े थे। फिलहाल थिक गैस एजेंसी ने कीमतें बढ़ाई हैं। इसकी सप्लाई भोपाल समेत आसपास के जिलों में है। दो महीने में यह तीसरी बार बढ़ोतरी की गई है। तीन बार में सीएनजी 6 रुपए किलो तक महंगी हुई है।

प्रदेश में 3 कंपनियों की सप्लाई

मध्य प्रदेश में 3 गैस एजेंसियां- थिक, गेल और अवतिका सीएनजी की सप्लाई करती हैं। भोपाल, सीहोर, राजगढ़, शिवपुरी, विदिशा समेत आसपास के जिलों में थिक कंपनी सप्लाई करती है, जबकि इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर संभाग में अवतिका की सप्लाई है। गेल कंपनी की भी कई जिलों में सप्लाई है।

भोपाल (नप्र)। अबकी बार नौतापा की शुरुआत आंधी-बारिश के साथ हुई है। आज दूसरे दिन मंगलवार को निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना और सतना में तीव्र लू का रेड अलर्ट है। अभी छतरपुर के दो शहर-खजुराहो और नागांव सबसे गर्म बने हुए हैं। यहां पारा लगातार 45 डिग्री के पार बना हुआ है।

भोपाल-ग्वालियर समेत कुल 45 जिले हीटवेव की चपेट में रहेंगे। इंदौर, नर्मदापुरम में भीषण गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। मौसम केंद्र की मानें तो 28 मई को प्री-मानसून की दस्तक के संकेत हैं। इस दिन उत्तरी और दक्षिणी 14 जिलों में पानी गिरने का अलर्ट है।

नौतापा के पहले दिन सोमवार को भोपाल, उमरिया-दमोह समेत 15 से ज्यादा जिलों में भीषण गर्मी और बारिश वाला मौसम रहा।

नौतापा के दूसरे दिन भोपाल में सुबह से ही तेज धूप और गर्मी का असर देखने को मिल रहा है। दिन चढ़ने के साथ धूप और तीखी हो गई, जिससे आमजन खासे परेशान नजर आए। गर्म हवाओं और तेज तपिश के कारण लोगों को बाहर निकलने में दिक्कत हो रही है।



धार में दोपहर होते ही सड़कों पर पसरा सत्राटा

धार शहर में भीषण गर्मी का असर लगातार बना हुआ है। सुबह तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, लेकिन दोपहर होते-होते पारा 42 से 43 डिग्री तक पहुंच रहा है। तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

स्थिति यह है कि दिन में बाहर निकलना लोगों के लिए मुश्किल हो रहा है। बढ़ती गर्मी के कारण दोपहर के समय बाजारों और सड़कों पर भी सत्राटा नजर आ रहा है।

ग्वालियर में धूप से बचने छांव तलाश रहे लोग

ग्वालियर में गर्मी अपने चरम पर पहुंच गई है। दोपहर के समय हालात ऐसे हैं कि लोग घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। जो लोग जरूरी काम से बाहर निकल रहे हैं, वे तेज धूप और गर्म हवाओं से परेशान नजर आ रहे हैं। रेलवे स्टेशन पर भी ट्रेन का इंतजार कर रहे यात्री इधर-उधर छांव तलाशते दिखाई दे रहे हैं। शहर में तापमान 44 डिग्री के पार जाने की संभावना जताई जा रही है, जिससे लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

अशोकनगर में 44 डिग्री पारा दोपहर में खाली हुई सड़कें



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पुस्तक 'अपनापन - नरेंद्र मोदी संग भरे अनुभव' के विमोचन समारोह में शामिल हुए।

सीएम के लिए प्रशासन ने 44 डिग्री तापमान में ट्रैफिक रोका तो गुस्से में जनता ने बजाए हॉर्न, संभालना हुआ मुश्किल

सिंगरौली (नप्र)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सीएम मोहन यादव दो दिन पहले सिंगरौली दौरे पर गए थे। उनके दौरे को लेकर प्रशासन ने ट्रैफिक रोका था। 44 डिग्री तापमान में सड़क पर खड़े लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। इसके बाद लोगों ने हॉर्न बजाने शुरू कर दिए। साथ ही कहने लगे कि यह वीआईपी कल्चर खत्म हो।

वीआईपी कल्चर के खिलाफ गुस्सा

दरअसल, वीआईपी कल्चर के खिलाफ सिंगरौली के लोगों ने खुलकर मोर्चा खोल दिया। मुख्यमंत्री के काफिले के लिए आम जनता को 44 डिग्री की भीषण गर्मी में घंटों सड़क पर रोक दिया गया, जिसके बाद लोगों का सन्न टूट गया। सैकड़ों वाहनों के हॉर्न एक साथ गूँज उठे। पूरा शहर मानो कह रहा था कि अब बस बहुत हो गया वीआईपी कल्चर!



सीएम के रूट पर रोकी गई थीं गाड़ियां

सीएम मोहन यादव के काफिले को निकालने के लिए पुलिस ने जगह-जगह बैरिकेडिंग कर आम लोगों की आवाजाही रोक दी। नौकरी, इलाज, परीक्षा और जरूरी कार्यों से जा रहे लोग धूप में तड़पते रहे, लेकिन वीआईपी मूवमेंट नहीं रुका। गर्मी से परेशान लोगों ने सड़क पर ही हॉर्न बजाकर अपना विरोध दर्ज कराया। कई लोग पुलिस और प्रशासन पर भेदभावपूर्ण रवैये का आरोप लगाते नजर आए।

कब तक होंगे परेशान- लोगों का कहना है कि आखिर जनता कब तक नेताओं के काफिलों के लिए सड़क पर बंधक बनती रहेगी? एक तरफ सरकार जनता की सुविधा की बात करती है, दूसरी तरफ वीआईपी मूवमेंट के नाम पर आम आदमी को घंटों परेशान किया जाता है। लोगों ने साफ कहा कि सुरक्षा जरूरी है, लेकिन जनता को प्रताड़ित करके नहीं। नेताजी एसी में बैठकर ठंडा पी रहे हैं और इतनी पब्लिक परेशान है। हमारा वीडियो बना लो, हमें डर नहीं है।

बिहार में भी हुआ था प्रोटेस्ट- बिहार में वीआईपी काफिले के खिलाफ हुए हॉर्न प्रोटेस्ट के बाद अब सिंगरौली में भी उसी तरह का गुस्सा देखने को मिला है। हालांकि प्रशासन ने किसी तरह लोगों को शांत कराया, लेकिन इस घटना ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या नेताओं की सुविधा आम जनता की जिंदगी और समय से ज्यादा अहम हो गई है?

गुना के बूढ़े बालाजी मंदिर में पूजा कर रहे पुजारी के गले में डाला फंडा

गर्भगृह से घसीटकर बाहर फेंका, कपाट पर जड़ा ताला

गुना (नप्र)। मध्य प्रदेश के गुना शहर में धार्मिक आस्था के सबसे बड़े केंद्र बूढ़े बालाजी मंदिर परिसर से एक रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो सामने आया है। मंदिर के गर्भगृह में भगवान की पूजा-आरती करने पहुंचे नवनिधुक पुजारी सुरेश शर्मा के साथ पुजारी समिति के पूर्व पदाधिकारियों ने तालिबानी क्रूरता की। वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि कुछ दबंग लोग भगवान की भक्ति में लीन पुजारी के गले में गमड़े



का फंडा खलकर उन्हें बेरहमी से घसीटते हुए मंदिर से बाहर ले जा रहे हैं। इस दौरान पीड़ित पुजारी हमलावरों के आगे हाथ जोड़कर रहम की भीख मांगते रहे। इस अमानवीय कृत्य के बाद पूरे गुना की धर्मप्राम जनता में भारी आक्रोश है।

लोकतांत्रिक चुनाव के बाद बढ़ा विवाद

कलेक्ट्रेट और एसपी दफ्तर पहुंचे नवनिर्वाचित प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश बंसल और सचिव रामकृष्ण श्रीवास्तव ने बताया कि 28 अप्रैल 2026 को सर्वसम्मति से नई समिति का गठन हुआ था। नई समिति ने 24 मई को सुरेश शर्मा को आधिकारिक तौर पर मुख्य पुजारी नियुक्त किया था। लेकिन जब वे रविवार को पूजा करने पहुंचे, तो पुरानी समिति के पूर्व अध्यक्ष गजानंद अवस्थी, उनके बेटों, पोतों और पुराने पुजारी ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। गुंडागर्दी नहीं रुकी, आरोपी मंदिर के कपाट बंद कर चाबियां अपने घर ले गए, जिससे रविवार रात श्रद्धालु दर्शन से वंचित रह गए।

कराड़ों की संपत्तियों के गबन और अवैध कब्जों का आरोप

इस पूरे बवाल के पीछे मंदिर ट्रस्ट पर सालों से काबिज रहे पूर्व पदाधिकारियों की तानाशाही और वित्तीय अनियमितताएं सामने आई हैं। नई समिति के मुताबिक, पूर्व समिति ने साल 2015-16 से लेकर 2025-26 तक के पिछले दस सालों का कोई आय-व्यय का ब्यौरा नहीं दिया है। मंदिर ट्रस्ट की कुल 18 दुकानों में से कीमती दुकानें मनमाने तरीके से अपने रिश्तेदारों और पौत्रों को रेवडियों की तरह बांट दी गईं। इसके अलावा मानस भवन 6 बजे की है। वह रोज की तरह अपने घर की छत पर काम कर रही थी। चूंकि दोनों घरों की छतें आपस में जुड़ी हुई हैं, इसी का फायदा उठाकर पड़ोसी रमेश पटेल भी वहां पहुंच गया। जमीन बंटवारे की रजिस्ट्रार को लेकर आरोपी रमेश अचानक तमतमा गया और महिला के साथ गंभीर-गंभीर गालियां देते हुए विवाद करने लगा।

मैहर में जमीन विवाद में पड़ोसी ने महिला को छत से नीचे फेंका, दोनों घुटने टूटे

मैहर (नप्र)। एमपी में मैहर जिले के नादन थाना क्षेत्र अंतर्गत जरियारी गांव से एक वीडियो सामने आया है। यहां पुराने जमीनी विवाद को लेकर एक दबंग पड़ोसी ने घर की छत पर चढ़कर पहले महिला के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की और फिर उसे बेरहमी से छत से नीचे धक्का दे दिया। मंगलवार सुबह इस पूरी वारदात का लाइव वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हड़कंप मच गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।



छत से महिला को फेंक दिया नीचे

जब ममता पटेल ने गालियों का विरोध किया तो आरोपी ने आव देखा न ताव, पास ही पड़े डंडे से महिला पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इतने से भी जब आरोपी का मन नहीं भरा तो उसने महिला को छत से नीचे धक्का दे दिया। महिला सीधे सीढ़ियों और पत्थरों से होते हुए करीब 12-15 फीट नीचे जमीन पर जा गिरी। इस खौफनाक हदसे में महिला के दोनों घुटने टूट गए हैं और सिर में गंभीर चोटें आई हैं।

चीख-पुकार सुनकर दौड़े लोग

छत से गिरते ही महिला दर्द से बुरी तरह चीखने-चिल्लाने लगी। उसकी आवाज सुनकर गांव के हनुमानदीन पटेल, प्रदीप पटेल और मदन पटेल तुरंत मौके पर भागे और बीच-बचाव कर महिला की जान बचाई। नीचे मौजूद लोगों ने लहलुहान हालत में महिला को उठाया और तत्काल अस्पताल भिजवाया।